सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 159 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार 14 जुलाई, 2025
मूल्य ₹ 3/-

जो कोई भी सीखना छोड़ देता है वो बूढ़ा है, चाहे वो बीस का हो या अस्सी का। जो कोई भी सीखता रहता है वो जवान है। दुनिया की सबसे महान चीज है अपने दिमाग को युवा बनाये रखना। -हेनरी फोर्ड

सचिन की एलीट सूची में शामिल... 7 | गुजरात में कौन बढ़ाएगा कांग्रेस की... 3 | भाजपा सरकार का भ्रष्टाचार... 2

प्लेन क्रैश जांच रिपोर्ट पर देश में मचा बवाल

प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में मिली गंभीर तकनीकी खामियां

विपक्ष पहले ही सरकार पर विमान कंपनी को बचाने का लगा चुका है आरोप

» पायलट एसोसिएशन ने जताई नाराजगी, जांच समिति में शामिल करने की मांग

» पायलट को फ्यूल कंट्रोल ऑफ बोलकर कंफर्म करना होता है जो इस मामले में ऑडियो में नहीं है

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अहमदाबाद प्लेन क्रैश पर आई विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो की प्रारंभिक रिपोर्ट ने पूरे देश में तूफान खड़ा कर दिया है। विपक्ष, मारे गये लोगों के परिजनो के बाद अब पायलट एसोसिएशन ने भी जांच रिपोर्ट पर गंभीर सवाल उठाते हुए एसोसिएशन को जांच कमेटी में शामिल करने की मांग की है।

वीडियो ब्लागर, एक्टिविस्ट और समाजिक लोग पहले ही संदेह जता चुके हैं कि जांच रिपोर्ट में विमान बनाने वाली कंपनी को बचाया जाने की कोशिश होगी। सूमेचे विपक्ष ने प्रारंभिक रिपोर्ट के आने के बाद कहा है कि पायलट पर आरोप लगाने का कोई औचित्य नहीं है।

कैप्टन सी.एस. रंधावा ने जांच रिपोर्ट पर उठाये सवाल

विमानन विशेषज्ञ कैप्टन सी.एस. रंधावा ने कहा कि रिपोर्ट में असली तकनीकी वजहें पूरी तरह स्पष्ट नहीं हैं। उन्होंने टेक आफ की पूरी प्रक्रिया को बताते हुए कहा कि एएआईबी की रिपोर्ट में जो बातें सामने आई हैं वह कई सवाल खड़े करती हैं। टेकऑफ के बाद विमान सामान्य ढंग से उड़ान भर रहा था। रिपोर्ट में स्पीड, लिफ्ट-ऑफ और गियर-अप जैसे तमाम चरणों की टाइमिंग दी गई है, लेकिन असली तकनीकी वजहें पूरी तरह स्पष्ट नहीं हैं।

लैंडिंग गियर लॉक हो जाते हैं

रंधवा ने बताया कि विमान जब हवा में उठता है तो उसके लैंडिंग गियर लॉक हो जाते हैं और तभी फ्लाइट ग्राउंड मोड से एयर मोड में ट्रांजिशन करता है। इसी दौरान अगर कोई पावर इंटरप्शन होता है, तो उससे इंजन और इलेक्ट्रिकल सिस्टम पर असर पड़ सकता है। रिपोर्ट में 'फ्यूल कंट्रोल स्विच' के 'कट-ऑफ' में ट्रांजिशन की बात की गई है। लेकिन, यह नहीं बताया गया कि वह स्विच किसने या कैसे ऑफ किया। कॉकपिट की ऑडियो रिकॉर्डिंग में यह सुना गया कि पायलट्स आपस में कह रहे थे कि उन्होंने स्विच को नहीं छुआ। इसका मतलब यह हो सकता है कि या तो किसी इलेक्ट्रिकल गड़बड़ी के कारण स्विच एक्टिवेट हुआ या इंजन कंट्रोल यूनिट (ईईसी) ने स्वतः इसे बंद कर दिया।

फ्यूल कटऑफ थ्योरी की निंदा

भारतीय वाणिज्यिक पायलट संघ ने पायलट के द्वारा विमान का फ्यूल कटऑफ करने वाली थ्योरी की कड़ी निंदा की है। संघ का कहना है कि जांच पूरी हुए बिना पायलट पर इस तरह से इल्जाम लगाना सही नहीं है। पायलट की आत्महत्या का यह आरोप पूरी तरह से निराधार है। आईसीपीए के अनुसार, हादसे के बाद मीडिया और आमजन के बीच जिस तरह की बातें चल रही हैं उससे हम बेहद दुखी हैं। पायलट के द्वारा आत्महत्या का यह आरोपी बकवास और निराधार है। इस तरह के दावों का कोई आधार नहीं है। प्रारंभिक जांच और अधूरे आंकड़ों के आधार पर ऐसे इल्जाम लगाना न सिर्फ गैर-जिम्मेदाराना हरकत है बल्कि उनके परिवार के प्रति भी असंवेदनशीलता को दर्शाता है।

को-पायलट की तरफ होता है स्विच

फ्यूल कंट्रोल स्विच की पोजिशनिंग को देखें तो वह को-पायलट की साइड में होता है और गलती से बंद नहीं हो सकता। उसे ऑफ करने के लिए दो चरणों में कार्रवाई करनी होती है, पहले उसे अनलॉक करना, फिर उसे पुश करके नीचे लाना। यह मैन्युअल एक्शन होता है, जो बिना पायलट के इरादे के हो ही नहीं सकता, जब तक कि कोई इलेक्ट्रिकल फॉल्ट न हो। रंधावा ने कहा कि बोइंग कंपनी ने इन स्विच को इस तरह डिजाइन किया है कि वे सिर्फ तीन स्थितियों में बंद होते हैं, जब पायलट खुद बंद करे (कमांड के साथ), जब इंजन में आग लगे या जब इंजन को हटाया जाना हो। अगर पायलट स्विच को ऑफ करता है, तो उसे फ्यूल कंट्रोल ऑफ बोलकर कंफर्म करना होता है, जो इस मामले में ऑडियो में नहीं है। यह भी चिंता का विषय है। रिपोर्ट में एयर इंडिया या बोइंग के सिस्टम डिजाइन पर कोई टिप्पणी नहीं है। हमें विस्तृत तकनीकी रिपोर्ट का इंतजार करना होगा। इलेक्ट्रिकल सर्किट, ईईसी फॉल्ट लॉग्स और ब्लैक बॉक्स के डाटा की बारीकी से जांच के बाद ही असली वजह सामने आएगी। इसमें 8 महीने से लेकर 3 साल तक समय लग सकता है।

बिना इरादे के बंद ही नहीं हो सकता फ्यूल कंट्रोल स्विच

रंधवा के मुताबिक एयरक्राफ्ट में इलेक्ट्रॉनिक इंजन कंट्रोल (ईईसी) सिस्टम होता है, जो इंजन के हर पहलू को मॉनिटर करता है। अगर उसमें किसी सिग्नल से यह महसूस होता है कि इंजन में कोई गंभीर गड़बड़ी है, तो यह सिस्टम अपने आप फ्यूल सप्लाई काट सकता है और इंजन को शटडाउन कर सकता है। यह भी रिपोर्ट में स्पष्ट नहीं है कि दोनों इंजन एकसाथ कैसे बंद हुए। रैट (रैम एयर टर्बाइन) का जिक्र रिपोर्ट में सिर्फ सतही तौर पर किया गया है, जबकि इसका एक्टिवेट होना, इस बात का संकेत देता है कि विमान पूरी तरह से पावर लॉस की स्थिति में आ चुका था।

एएलपीए इंडिया ने की जांच में शामिल होने की मांग

एअरलाइन पायलट एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने प्लेन क्रैश जांच में शामिल होने की मांग की है। एएलपीए इंडिया 800 एअरलाइंस और हेलीकॉप्टर कंपनियों का प्रतिनिधित्व करती है। साथ ही यह संस्था इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ एअरलाइन पायलट्स एसोसिएशन से जुड़ी है। वहीं दुनिया के 100 देशों के 1 लाख से ज्यादा पायलट संस्था के सदस्य हैं।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण खुद को बचाने की कोशिश कर रहा है

कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा है कि हमारे देश के पायलट कड़ी मेहनत, लगन और पढ़ाई करते हैं, फिर उन्हें पहचान मिलती है। उन्होंने कहा कि पहले से इस बात की चर्चा है कि विमान के मालिकाना हक वाली कंपनी ने एक खास स्विच में समस्या का बार-बार जिक्र किया। आरोप है कि जानकारी होने के बावजूद उन्होंने निगरानी और उसे ठीक करने की अनदेखी की लेकिन ऐसा लगता है कि भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण इस हादसे में मारे गए दो पायलटों पर सारी जिम्मेदारी डालकर खुद को जिम्मेदारी से मुक्त करने की कोशिश कर रहा है।

उन्होंने कहा कि सारा दोष और जिम्मेदारी पायलटों के कंधों पर डाल दी जा रही है इसकी उचित जांच होनी चाहिए। विमान कंपनी बोइंग और बड़ी कंपनियों के सभी विशेषज्ञों को बुलाकर और सारी जानकारी का विश्लेषण करने के बाद ही अंतिम निर्णय लिया जाना चाहिए।

भाजपा सरकार का भ्रष्टाचार जानलेवा : अखिलेश

शहरों में जल निकासी की व्यवस्था ध्वस्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार पर एकबार फिर तीखा प्रहार किया है । उन्होंने कहा कि योगी सरकार का भ्रष्टाचार और लापरवाही जनता के लिए जानलेवा साबित हो रही है। बरसात का मौसम शुरू होते ही नाले उफना रहे हैं। जल निकासी की व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। शहरों में गंदगी और कूड़े का अंबार लगा है।

भाजपा की ट्रिपल इंजन सरकार पूरी तरह फेल हो चुकी है।अखिलेश यादव ने जारी बयान में कहा कि काशी, गोरखपुर व लखनऊ से लेकर कानपुर और झांसी तक हर जगह एक जैसी स्थिति है। वर्षों से नगर निगमों पर काबिज भाजपा लोगों को मूलभूत सुविधाएं और साफ-सफाई की व्यवस्था नहीं दे पा रही है। नालों और नालियों की सफाई के बजट का बंदरबांट हो रहा है। अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार बारिश को गंभीरता से ले। शासन-प्रशासन के प्रयासों से हादसों को टाला जा सकता है। सरकार की बदइंतजामी का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है।

सपा गांव-गांव भेज रही है अखिलेश का पीडीए पर्चा

समाजवादी पार्टी ने भी त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों की तैयारियां प्रारंभ कर दी हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के हस्ताक्षर वाला पीडीए पर्चा गांव-गांव भेजा जा रहा है। इसमें समाजवादी सरकारों की उपलब्धियां होंगी। साथ ही पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों (पीडीए) से अपनी एकजुटता मजबूत करने की अपील भी होगी। सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने बताया कि भाजपा सरकार में दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों का उत्पीड़न काफी बढ़ गया है। इसलिए हर बूथ तक पीडीए पर्चा पहुंचाने की योजना पर काम हो रहा है। चौपालों का आयोजन कर पीडीए पर्चा पर चर्चा शुरू करने के निर्देश सभी जिला व शहर इकाइयों को दे दिए गए हैं। कई जिलों में यह काम शुरू भी हो गया है।

जनता के लिए संघर्ष कर रहे अखिलेश यादव

सपा विधानसभा घोरावल इकाई ने बृहस्पतिवार को पीडीए जन चौपाल लगाई। विधानसभा अध्यक्ष बाबूलाल यादव की अध्यक्षता में आयोजित चौपाल में जनता की समस्याएं सुनकर उनके समाधान के लिए संघर्ष की रूपरेखा बनाई गई।मुख्य अतिथि सपा जिलाध्यक्ष रामनिहोर यादव ने कहा कि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव हर समाज को साथ लेकर चल रहे हैं। जन समस्याओं के समाधान के लिए सदन से सड़क तक संघर्ष कर रहे हैं। सपा के एक-एक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है कि गांव-गांव जाकर समाजवादी पार्टी की नीतियों को बताए और ग्रामीण जनता की समस्याओं को सुने।

अल्पसंख्यकों की धार्मिक आजादी छीनी गई : चंद्रशेखर

बोले- ईद पर मुस्लिम सड़क पर पैर भी रख दें तो कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजाद समाज पार्टी काशीराम के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि अल्पसंख्यकों की धार्मिक आजादी को छीना जा रहा है। मुसलमानों को शूद्र बनाने की कोशिश हो रही है। एक तरफ सरकार कांवड़ यात्रा के इंतजाम करती है, वहीं ईद की नमाज में मुसलमान सड़क पर पैर भी रख दे तो कार्यवाही हो जाती है। उन्होंने दलित, पिछड़े और मुसलमानों के सियासी गठजोड़ बनाने पर जोर दिया।

शनिवार को वो पार्टी के मुस्लिम संवाद कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। आजाद समाज पार्टी काशीराम की ओर से अटल बिहारी बाजपेयी साइंटिफिक कंवेन्शन सेंटर में आयोजित संवाद में उन्होंने कहा कि ये सिर्फ संवाद नहीं, आंदोलन की आगाज है। आज मुस्कराने के हालात नहीं है। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में जो सरकार के साथ नही है उनके अधिकारों को छीना जा रहा है, यादव, लोधी, कुर्मी, साहू कोई बचा नही है। उन्होंने प्रदेश सरकार पर हमला करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री बताएं धामपुर में मुसलमानों की दुकानें क्यों बंद कराई गईं। वो दुकानें तो मीट की नहीं, चाय और नाई की दुकानें हैं।

हमारी सरकार में मुस्लिम भी बन सकता है मुख्यमंत्री

चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि लोकतंत्र में जिनका वोट होगा उनका राज होगा। धार्मिक आजादी, अन्याय, जुल्म से तभी छुटकारा मिलेगा जब हम सत्ता में होंगे। हमें किसी को हराने के लिए नही बल्कि पार्टी को जिताने के लिए ताकत लगानी चाहिए। उन्होंने कहा कि आजाद पार्टी के संविधान में संख्या के हिसाब से भागीदारी का प्रावधान है। अगर हमारी सरकार बनी तो मुस्लिम, पिछड़ा, दलित कोई भी मुख्यमंत्री बन सकता है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम संवाद के बाद अब पिछड़ा, दलित सम्मेलन होंगे।

प्रदेश की कानून व्यवस्था ध्वस्त

कानून और शिक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। कहा कि प्रदेश सरकार की ओर प्राथमिक विद्यालयों का विलय किया जा रहा है। सरकार को यह नहीं करना चाहिए। इसके विरोध में जल्द ही लखनऊ में धरना दूंगा। इसके बाद वह मऊ में आयोजित दसवां प्रबुद्ध सम्मेलन में शामिल होने निकल गए। बताया कि इसकी शुरुआत सहारनपुर से हुई थी। उन्होंने बताया कि सहयोगी विजय यादव से मिलने यहां आएं। विजय 69000 शिक्षक भर्ती आंदोलन में उनके साथ थे।

भाषाई आधार पर होने वाली हिंसा घातक : मायावती

बसपा प्रमुख ने सात राज्यों के पार्टी संगठन की समीक्षा की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि देश में भाषा विवाद को लेकर हो रही हिंसा घातक है। केंद्र को इस पर संज्ञान लेकर लोगों के जान माल की सुरक्षा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसा तब होता है जब धर्म, क्षेत्र, जाति और भाषा आदि की संकीर्ण राजनीति लोगों की देशभक्ति व उनके देश प्रेम पर हावी होने लगती है।

मायावती ने रविवार को लखनऊ में हुई पार्टी की बैठक में महाराष्ट्र, गुजरात, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल में संगठन की तैयारियों, जनाधार बढ़ाने और जनता के मुद्दों को लेकर समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने बीते 2 मार्च को हुई संगठन की बैठक में पदाधिकारियों को दिए गए कार्य की प्रगति रिपोर्ट भी ली।उन्होंने देश के विभिन्न राज्यों में पुल व एक्सप्रेस वे में बढ़ रही दुर्घटनाओं व उनके जानमाल की क्षति को रोकने की अपील सरकारों से की और कहा कि इससे जनता का विश्वास डगमगाता है। सरकारों को जनता की मुश्किलें कम करने के लिए महंगाई और बेरोजगारी कम करने और उनका जीवन आसान बनाने के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करना चाहिए।

नर्वाचित सरकार को नज़रबंद किया गया : उमर अब्दुल्ला

जम्मू-कश्मीर का 'शहीद दिवस' पर बवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। कश्मीर में गहरे प्रतीकात्मक और राजनीतिक महत्व वाले इस दिन, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आरोप लगाया कि दिल्ली से लौटने के तुरंत बाद सुरक्षा बलों ने उन्हें घर में नज़रबंद कर दिया। उन्होंने प्रशासन पर शहीद दिवस पर निर्वाचित सरकार को नज़रबंद करने का आरोप लगाया। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि यह नजरबंदी अनिर्वाचित लोगों का अत्याचार है।

अब्दुल्ला ने अपने घर के बाहर की तस्वीरें साझा कीं, जिनमें जम्मू-कश्मीर के कई पुलिसकर्मी और पुलिस वाहन दिखाई दे रहे थे। उमर ने एक्स (जिसे पहले ट्विटर के नाम से जाना जाता था) पर लिखा, दिवंगत अरुण जेटली साहब की बात दोहराते हुए - जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र अनिर्वाचित लोगों का अत्याचार है। इसे आज आप सभी समझ जाएँगे- नई दिल्ली के अनिर्वाचित प्रतिनिधियों ने जम्मू-कश्मीर की जनता के निर्वाचित प्रतिनिधियों को नज़रबंद कर दिया। अनिर्वाचित सरकार ने निर्वाचित सरकार को बंद कर दिया।

प्रतिबंध स्पष्ट रूप से अलोकतांत्रिक

श्रीनगर के जिला मजिस्ट्रेट ने 13 जुलाई, 1931 को डोगरा सेना द्वारा मारे गए 22 लोगों को श्रद्धांजलि देने के नेशनल कॉन्फ्रेंस के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया था।श्रीनगर पुलिस ने एक सार्वजनिक परामर्श जारी कर नौहट्टा के ख्वाजा बाजार में सभाओं की अनुमति देने से इनकार कर दिया। अब्दुल्ला ने इन प्रतिबंधों की निंदा करते हुए इन्हें स्पष्ट रूप से अलोकतांत्रिक बताया और आरोप लगाया कि घरों को बाहर से बंद कर दिया गया था और पुलिस को जेलर के रूप में तैनात किया गया था।

घटना की तुलना जलियांवाला बाग हत्याकांड से की

एक अलग पोस्ट में, अब्दुल्ला ने 13 जुलाई, 1931 की घटना की तुलना जलियांवाला बाग हत्याकांड से की। उन्होंने कहा कि आज नेताओं को कब्रों पर जाने से रोका जा सकता है, लेकिन उनके बलिदान को कभी नहीं भुलाया जाएगा। उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने भी आरोप लगाया कि कश्मीर में उनके आधिकारिक आवास पर अधिकारियों ने ताला लगा दिया था। उन्होंने इसे लोकतंत्र के लिए खतरा बताया और जम्मू-कश्मीर के लिए राज्य का दर्जा देने की मांग की।

नेशनल हेराल्ड मामले में कोर्ट ने फैसला रखा सुरक्षित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने आज नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की अभियोजन शिकायत पर संज्ञान लेते हुए अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। कोर्ट ने मामले में 29 जुलाई को फैसला सुनाने के लिए तारीख तय की है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को राउज एवेन्यू कोर्ट स्थित विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने की अदालत में नेशनल हेराल्ड से जुड़े धनशोधन मामले में आरोपियों की ओर से पेश अंतिम दलीलों का कड़ा विरोध किया।

सोनिया-राहुल गांधी की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू ने कहा कि एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) और यंग इंडियन के बीच हुआ लेनदेन दिखावटी और फर्जी था। उन्होंने अदालत को बताया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) द्वारा दिए गए 90 करोड़ रुपये का जिस तरह से उपयोग किया गया, उससे आपराधिक विश्वासघात का स्पष्ट मामला बनता है। ईडी ने कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी, मोतीलाल वोरा, आस्कर फर्नांडीस, सुमन दुबे, सैम पित्रोदा और यंग इंडियन कंपनी पर षड्यंत्र रचकर धनशोधन के जरिये एजेएल की दो हजार करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियों पर अवैध कब्जा करने का आरोप लगाया है।

विरोधियों का दमन कर रहे सीएम नायडू : जगन मोहन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के अध्यक्ष वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने आरोप लगाया कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू पुलिस बल का दुरुपयोग कर विरोधियों का दमन कर रहे हैं ताकि तानाशाही जैसा माहौल बनाया जा सके।

पूर्व मुख्यमंत्री ने राज्य के अपने दौरे के दौरान कथित तौर पर सामने आए कई उदाहरणों का हवाला देते हुए सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, ''सवाल करने, विरोध करने और एकत्र होने का अधिकार लोकतंत्र का आधार है, जो नागरिकों को अपनी शिकायतें स्वतंत्र रूप से व्यक्त करने और जवाबदेही की मांग करने का अधिकार देता है।

जगन ने कहा कि हालांकि, आंध्र प्रदेश में इस मौलिक लोकतांत्रिक प्रक्रिया को चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाले सत्तावादी शासन के दबाव में बेरहमी से कुचला जा रहा है।

गुजरात में कौन बढ़ाएगा कांग्रेस की शक्ति?

शक्ति सिंह गोहिल के बाद कौन संभालेगा कमान?

» नए अध्यक्ष की तलाश शुरू

» कडी और विसावदर विधानसभा उपचुनावों में मिली निराशा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गांधीनगर। गुजरात में कांग्रेस पार्टी के लिए हाल के दिन मुश्किल भरे रहे हैं। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष शक्ति सिंह गोहिल के अप्रत्याशित इस्तीफे ने कांग्रेस को एक नए संकट में डाल दिया है। यह इस्तीफा 23 जून 2025 को कडी और विसावदर विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनावों में पार्टी के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद आया। गोहिल ने अपनी हार की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए यह कदम उठाया। जिसने गुजरात में कांग्रेस की स्थिति को और कमजोर कर दिया। वहीं कांग्रेस आलाकमान अब नए प्रदेश अध्यक्ष की तलाश में जुट गया है। ताकि पार्टी को फिर से संगठित किया जा सके और गुजरात में उसकी खोई हुई जमीन को वापस हासिल करने की कोशिश की जा सके।

शक्ति सिंह गोहिल गुजरात में कांग्रेस के एक प्रमुख नेता और राज्यसभा सांसद हैं। उनको जून 2023 में पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। यह नियुक्ति 2022 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की करारी हार के बाद हुई थी। जब पार्टी ने 182 में से केवल 17 सीटें जीती थीं उस समय गोहिल की नियुक्ति को एक साहसिक कदम माना गया था। क्योंकि उन्हें राहुल गांधी के करीबी और एक अनुभवी नेता के रूप में देखा जाता था सौराष्ट्र क्षेत्र से आने वाले क्षत्रिय नेता गोहिल को पार्टी की कमान सौंपकर कांग्रेस ने गुजरात में अपनी स्थिति को मजबूत करने की कोशिश की थी। 2025 में हुए कडी और विसावदर विधानसभा उपचुनावों में कांग्रेस का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा। कडी सीट पर बीजेपी के राजेंद्र चावड़ा ने कांग्रेस के रमेश चावड़ा को 39,452 वोटों के अंतर से हराया। जबकि विसावदर सीट पर आम आदमी पार्टी के गोपाल इटालिया ने बीजेपी के किरीट पटेल को 17,554 वोटों से मात दी। कांग्रेस के उम्मीदवार नितिन रणपारिया विसावदर में तीसरे स्थान पर रहे। जिन्हें केवल 5,501 वोट मिले। वहीं इस हार ने गोहिल के नेतृत्व पर सवाल उठाए और उन्होंने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया।गोहिल ने अपने इस्तीफे की घोषणा करते हुए कहा कि मैंने अपनी पार्टी की हार की नैतिक जिम्मेदारी ली है और गुजरात कांग्रेस के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। मैंने अपना इस्तीफा हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को भेज दिया है और उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि अगर पार्टी दो सीटों में से कम से कम एक सीट जीत लेती . तो शायद वे इस्तीफा न देते..इसके अलावा, कुछ सूत्रों का कहना है कि गोहिल के इस्तीफे के पीछे पार्टी के आलाकमान द्वारा हाल ही में नियुक्त किए गए 40 नए जिलाऔर शहर अध्यक्षों की सूची में उनके समर्थकों को दरकिनार करना भी एक कारण हो सकता है।

गोहिल के इस्तीफे के बाद कांग्रेस आलाकमान ने साधी चुप्पी

गोहिल के इस्तीफे के बाद कांग्रेस आलाकमान ने अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है यह चर्चा थी कि 1994 में जब गोहिल ने मंत्री पद से इस्तीफा दिया था तब तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव और वरिष्ठ नेता अहमद पटेल के मनाने के बावजूद वे अपने फैसले पर अडिग रहे थे। कुछ लोगों को उम्मीद थी कि इस बार सोनिया गांधी के हस्तक्षेप से गोहिल अपना इस्तीफा वापस ले सकते हैं। लेकिन 23 जून से लेकर अब तक एक हफ्ते से अधिक समय बीत जाने के बाद भी कोई संकेत नहीं मिला है. कि वे अपना फैसला बदलेंगे। आपको बता दें कि कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व, खासकर राहुल गांधी . गुजरात में पार्टी की स्थिति को लेकर चिंतित हैं। राहुल गांधी ने 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद दावा किया था कि कांग्रेस 2027 के विधानसभा चुनावों में बीजेपी को हराएगी। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए पार्टी ने संगठन सृजन अभियान शुरू किया था। जिसके तहत 12 अप्रैल 2025 को 43 एआईसीसी पर्यवेक्षक और 183 पीसीसी पर्यवेक्षकों को नियुक्त किया गया था इन नेताओं ने गुजरात के 26 लोकसभा क्षेत्रों, 182 विधानसभा क्षेत्रों और 235 ब्लॉक कांग्रेस समितियों का दौरा किया था. जिसके बाद 40 नए जिला और शहर अध्यक्षों की नियुक्ति की गई।

राहुल की महत्वाकांक्षी योजना को झटका

राहुल गांधी की इस महत्वाकांक्षी योजना के बावजूद गोहिल का इस्तीफा और उपचुनावों में हार ने पार्टी के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। सूत्रों के अनुसार, राहुल गांधी चाहते हैं कि पार्टी जल्द से जल्द नए अध्यक्ष का चयन करे ताकि संगठन को मजबूत किया जा सके और 2027 के चुनावों की तैयारी शुरू हो सके। इसके लिए पार्टी ने नए अध्यक्ष की खोज शुरू कर दी है। और पांच नेताओं के नाम सबसे आगे चल रहे है।

जिग्नेश मेवाणी पर लोगों का भरोसा

जिग्नेश मेवाणी एक युवा और मुखर दलित नेता है। जो गुजरात में सामाजिक न्याय के मुद्दों को उठाने के लिए जाने जाते हैं। उनकी सक्रियता और युवाओं के बीच लोकप्रियता उन्हें एक आकर्षक उम्मीदवार बनाती है। हालांकि, मेवाणी की आलोचनात्मक शैली और पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेताओं के साथ मतभेद उनके लिए चुनौती हो सकते हैं। वहीं लालजी देसाई कांग्रेस सेवा दल के नेता हैं और संगठन में उनकी लंबी सेवा उन्हें इस पद के लिए एक संभावित उम्मीदवार बनाती है। हालांकि, उनकी तुलना में अन्य नेताओं की तुलना में कम सार्वजनिक पहचान एक नुकसान हो सकता है।

नए प्रदेश अध्यक्ष के लिए पांच नेताओं के नाम की चर्चा

आपको बता दें कि शक्ति सिंह गोहिल के इस्तीफे के बाद गुजरात कांग्रेस के नए प्रदेश अध्यक्ष के लिए पांच नेताओं के नाम चर्चा में हैं। जिसमें गेनीबेन ठाकोर, परेश धनानी, अमित चावड़ा, जिग्नेश मेवाणी और लालजी देसाई शामिल है। बता दें कि गेनीबेन ठाकोर गुजरात से कांग्रेस की इकलौती लोकसभा सांसद हैं और उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनावों में बनासकांठा सीट से जीत हासिल की थी। जिसने कांग्रेस को बीजेपी के क्लीन स्वीप को रोकने में मदद की थी। ठाकोर एक मजबूत ओबीसी नेता हैं और उत्तर गुजरात में उनकी अच्छी पकड़ मानी जाती है। उनकी लोकप्रियता और युवा नेतृत्व उन्हें इस पद के लिए मजबूत दावेदार बनाता है। हालांकि, कुछ विश्लेषकों का मानना है कि उनकी सांसद के रूप में व्यस्तता नए अध्यक्ष की जिम्मेदारी को प्रभावित कर सकती है।परेश धनानी गुजरात विधानसभा में पूर्व नेता प्रतिपक्ष रह चुके हैं.और सौराष्ट्र क्षेत्र से एक प्रभावशाली नेता ह उनकी छवि एक मेहनती और जमीनी स्तर के नेता की है। जो ग्रामीण मतदाताओं के बीच लोकप्रिय हैंधनानी को किसान समुदाय का समर्थन प्राप्त है और वे पार्टी के लिए एक संतुलित चेहरा हो सकते हैं . हालांकि, उनकी पिछली हार और संगठनात्मक अनुभव की कमी कुछ नेताओं के लिए चिंता का विषय हो सकती है।

अध्यक्ष चुनाना आसान नहीं

वहीं इन पांच नेताओं में से किसी एक को चुनना कांग्रेस आलाकमान के लिए आसान नहीं होगा। पार्टी को एक ऐसे नेता की जरूरत है जो न केवल संगठन को एकजुट कर सके। बल्कि बीजेपी के मजबूत गढ़ में उसका मुकाबला भी कर सके। बता दें कि गुजरात में कांग्रेस की स्थिति पिछले कुछ दशकों से कमजोर रही है।1995 से पार्टी सत्ता से बाहर है और हर विधानसभा चुनाव में उसे हार का सामना करना पड़ा है। 2022 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने केवल 17 सीटें जीती थीं। जो उसकी अब तक की सबसे खराब हार थी। इसके अलावा, 2024 के लोकसभा चुनावों में पार्टी ने केवल एक सीट (बनासकांठा) जीती हालांकि यह बीजेपी को क्लीन स्वीप करने से रोकने में सफल रही।

कांग्रेस की कमजोरी के कई कारण हैं

कांग्रेस की कमजोरी के कई कारण है। सबसे पहले, बीजेपी का गुजरात में मजबूत संगठन और नरेंद्र मोदी का गुजरात मॉडल राज्य में उसकी लोकप्रियता का आधार रहा है। दूसरा, कांग्रेस के भीतर गुटबाजी एक बड़ी समस्या रही है। शक्ति सिंह गोहिल, माधव सिंह सोलंकी और अहमद पटेल के समर्थकों के बीच गुटबाजी ने पार्टी को एकजुट होने से रोका है। तीसरा, आम आदमी पार्टी का उभरना भी कांग्रेस के लिए चुनौती बन गया है जैसा कि विसावदर उपचुनाव में देखा गया, जहां आप ने जीत हासिल की।इसके अलावा, कांग्रेस का संगठनात्मक ढांचा भी कमजोर रहा ह। राहुल गांधी ने इस समस्या को पहचाना और %संगठन सृजन अभियान शुरू किया। जिसका उद्देश्य बूथ स्तर से लेकर जिला स्तर तक पार्टी को मजबूत करना था। हालांकि, गोहिल के इस्तीफे और उपचुनावों में हार ने इस अभियान को झटका दिया है।

अमित चावड़ा पर नजर

वहीं अमित चावड़ा वर्तमान में गुजरात विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल के नेता है. और पूर्व में प्रदेश अध्यक्ष भी रह चुके हैं।. 2018 से 2021 तक उनके नेतृत्व में पार्टी ने कई स्थानीय निकाय चुनावों में हिस्सा लिया।लेकिन निराशाजनक नतीजों के बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया था चावड़ा का अनुभव और संगठनात्मक कौशल उन्हें इस पद के लिए मजबूत दावेदार बनाता है लेकिन कुछ नेताओं का मानना है कि उनकी वापसी पुराने नेतृत्व को दोहराने जैसी होगी।

राहुल गांधी संगठन को मजबूत करने में जुटे

राहुल गांधी ने 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद गुजरात में बीजेपी को हराने का दावा किया था और उन्होंने गुजरात के कई दौरे किए और संगठन को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए। इनमें नए जिला और शहर अध्यक्षों की नियुक्ति और पर्यवेक्षकों की तैनाती शामिल थी। राहुल गांधी का मानना है कि गुजरात में बीजेपी को हराने के लिए पार्टी को न केवल संगठनात्मक बदलाव करने होंगे। बल्कि उन नेताओं को बाहर करना होगा जो अंदरखाने बीजेपी की मदद करते हैं। हालांकि, गोहिल के इस्तीफे ने राहुल गांधी की योजना को एक झटका दिया है। गोहिल उनके करीबी माने जाते थे और उनके नेतृत्व में कांग्रेस ने 2024 के लोकसभा चुनावों में कुछ हद तक बेहतर प्रदर्शन किया था। अब नए अध्यक्ष की नियुक्ति और संगठन को फिर से जिंदा करने की जिम्मेदारी राहुल गांधी और कांग्रेस आलाकमान के सामने है। आपको बता दें कि शक्ति सिंह गोहिल का इस्तीफा गुजरात कांग्रेस के लिए एक बड़ा झटका है। लेकिन यह पार्टी के लिए एक अवसर भी हो सकता है,. नए अध्यक्ष की नियुक्ति और संगठनात्मक बदलावों के जरिए कांग्रेस अपनी खोई हुई जमीन को वापस हासिल करने की कोशिश कर सकती है। गेनीबेन ठाकोर, परेश धनानी, अमित चावड़ा, जिग्नेश मेवाणी और लालजी देसाई में से किसी एक को चुनकर पार्टी नई दिशा में आगे बढ़ सकती है। हालांकि, राहुल गांधी के 2027 में बीजेपी को हराने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए पार्टी को संगठन, रणनीति और नेतृत्व में बड़े बदलाव करने होंगे।बता दें सही नेतृत्व और रणनीति के साथ पार्टी बीजेपी के गढ़ में सेंध लगा सकती है। नए अध्यक्ष की नियुक्ति और आने वाले समय में पार्टी के कदम इस दिशा में निर्णायक होंगे।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

प्रकृति को गुरू की तरह मानने की जरूरत

शोध ने एक बार फिर बताया है कि पारिस्थितिकी तंत्र में असंतुलन से मानव जीवन पर घातक असर पड़ेगा। अगर समय रहते अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ठोस पहल नहीं की गई तो इसका खामियाजा समूची दुनिया को उठाना पड़ सकता है। हमारी संस्कृति में प्रकृति को ज्ञान, जीवन और पालन-पोषण का स्रोत माना जाता है। यह जीवन के रहस्यों को भी बताती है और मार्गदर्शन भी करती है। इसलिए प्रकृति भी गुरु के समान है।

भारत में अभी पिछले हफ्ते लोगों ने गुरू पूर्णिमा मनाया। साथ ही कई जगहों पर वृक्षारोपण भी बड़े स्तर पर किया गया। सही मामले में देखा जाए तो प्रकृति भी गुरु के समान हैं और मानव को इसका भी पूजन करना चाहिए। बता दें पूरी दुनिया में इस समय पर्यावरण के क्षरण पर चर्चा हो रही है। अभी प्राग में हाल में हुई गोल्डश्मिट कॉन्फ्रेंस के दौरान पेश किए शोधों ने तो खतरे की भयावहता की ओर संकेत कर दिया है। इससे बड़ी विडम्बना और क्या होगी कि जिस प्रकृति के बूते मानव ने ऊंचाइयां हासिल की है, उसी से अपनी सुख-सुविधाओं के नाम पर खिलवाड़ करने में जुटा है। जलवायु परिवर्तन के खतरे कोई नए नहीं हैं। इन्हीं खतरों की चपेट में आकर इंसान नित नई समस्याओं के जाल में उलझता जा रहा है। प्राग में हाल में हुई गोल्डश्मिट कॉन्फ्रेंस के दौरान पेश किए शोधों ने तो खतरे की भयावहता की ओर संकेत कर दिया है। इन शोधों के मुताबिक धरती पर ग्लेशियरों के पिघलने से ज्वालामुखी विस्फोटों का खतरा भी बढ़ गया है। अभी तक माना जाता था कि ग्लेशियर पिघलने से समुद्रों का जलस्तर बढ़ रहा है लेकिन नए शोधों ने चिंता और बढ़ा दी है।

अध्ययन में बताया गया कि ग्लेशियरों का भारी वजन पृथ्वी की सतह और इसके नीचे मैग्मा परतों पर दबाव डालता है। इससे ज्वालामुखी गतिविधियां नियंत्रित रहती है। लेकिन मानव की गतिविधियों के कारण पारिस्थितिकी तंत्र में नित नए असंतुलन पैदा हो रहे हैं। ऐसी स्थिति में दुनियाभर में पर्वतीय क्षेत्रों में ग्लेशियरों पर संकट लगातार बढ़ रहा है। देहरादून स्थित वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी के वैज्ञानिकों का भी कहना है कि दुनिया के बढ़ते प्रदूषण का प्रभाव हिमालय सहित अन्य पहाड़ों पर पड़ रहा है। धरती पर कार्बन की मात्रा में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है और उससे ग्लेशियरों को खतरा पैदा हो गया है। हाल ही में एक अन्य रिपोर्ट में बताया गया था कि जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ता तापमान हिमालयी ग्लेशियर से ढके हिंदूकुश पहाड़ों की चोटी को लगातार गला रहा है। यह हालात रहे तो इस सदी के अंत तक हिमालय पर्वत के ग्लेशियरों का करीब दो-तिहाई हिस्सा खत्म हो जाएगा। खास बात है कि यह ग्लेशियर दुनिया के दो अरब से अधिक लोगों को पीने का पानी उपलब्ध कराते हैं। ऐसा नहीं है कि पर्यावरण असंतुलन के कारण आने वाले संकटों को लेकर पहली बार आशंका जताई गई हो, लेकिन दुर्भाग्य है कि अध्ययनों में बार-बार के संकेत दिए जाने के बावजूद दुनिया भर में इस मसले पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। इस बड़े संकट से पार पाने के लिए अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्ताव तैयार किए जाते हैं, मगर उन पर गंभीरता से अमल नहीं किया जाता।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सेहतमंद फसल पर मुनाफे का जहरीला असर

पंकज चतुर्वेदी

डॉक्टर अक्सर मरीजों को मूंग दाल खाने की सलाह देते हैं, लेकिन अधिक मुनाफे के लोभ में अब जो मूंग बाजार में आ रही है वह सामान्य बीमार व्यक्ति को गंभीर रोग का शिकार बना सकती है। चूंकि मध्य प्रदेश में देश में मूंग की फसल का 35 प्रतिशत उत्पादन होता है। शुरुआत में राज्य सरकार ने मूंग की सरकारी खरीदी पर हिचकिचाहट दिखाई थी तो सियासत भी गर्मा गई थी। सरकार भी अपनी जगह ठीक ही थी। यह बात तंत्र समझ गया था कि अधिक फसल और इसे जल्दी पकाने के लिए किसान जिस रसायन का इस्तेमाल कर रहे हैं, असल में वह ज़हर है। यदि मध्य प्रदेश के किसान यह अनुचित तरीका अपना रहे हैं तो देश के अन्य राज्यों में भी यही हो रहा होगा। विदित हो म.प्र. में इस वर्ष मूंग का सरकारी खरीदी मूल्य 8558 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है। यह दाम बीते चार साल में 1362 रुपये बढ़े हैं। बढ़ते दाम, तीसरी फसल की लालसा और कम रकबे में अधिक उत्पाद के चलते किसान का मूंग की तरफ आकर्षण भी बढ़ा और लालच भी।

म.प्र. के कृषि विभाग ने राज्य शासन को बताया कि किसान मूंग की फसल में खरपतवार नाशक दवा पैराक्वाट डाइक्लोराइड, जिसे स्थानीय रूप से 'सफाया' भी कहा जाता है, का बड़े पैमाने पर उपयोग कर रहे हैं। कई देशों में यह प्रतिबंधित है, लेकिन यहां किसान इसका उपयोग धड़ल्ले से कर रहे हैं। किसान जानते हैं कि मूंग की फसल खेतों में एक साथ नहीं पकती। कुछ पौधे जल्दी तो कुछ देर से पकते हैं। ऐसे में मजदूरों से तुड़ाई में समय, खर्च ज्यादा लगता है। फसल को एकसाथ सुखाने के लिए पैराक्वाट तत्काल असर करती है। इससे एक दिन में पूरी फसल सूख जाती है, फिर हार्वेस्टर से कटाई हो जाती है। यही नहीं, इसके इस्तेमाल से कच्ची मूंग के दाने भी चमकीले हरे दिखते हैं। इस तरह इनका वजन अधिक लगता है और इससे दाम अधिक मिल जाते हैं। दरअसल किसान रबी और खरीफ की फसल के बीच तीन महीनों में मूंग की फसल तैयार करने के लिए यह जहरीला जतन कर रहे हैं।

भारत में कोई तीस लाख मीट्रिक टन मूंग का उत्पादन होता है और यह समूचे देश में बीमारों के लिए पथ्य भोजन मानी जाती हैं। मूंग में मौजूद स्टार्च और प्रोटीन छोटे अणुओं में टूटकर जल्दी पच जाते हैं। इसमें कम मात्रा में रेजिन होता है, जो पेट में गैस नहीं बनाता। 100 ग्राम मूंग में लगभग

105 कैलोरी और बहुत कम वसा होता है। आयुर्वेद के अनुसार मूंग दाल त्रिदोष नाशक मानी जाती है— यानी यह वात, पित्त और कफ को संतुलित करती है। बीमारियों में इसका सेवन शरीर को संतुलन में लाता है। मूंग में फ्लावोनॉयड्स, कैंपफेरॉल, विटामिन-सी और फेनोलिक यौगिक होते हैं, जो शरीर की रोग-प्रतिरोध क्षमता को मज़बूत करते हैं। डॉक्टरों के अनुसार पैराक्वाट डाइक्लोराइड के इस्तेमाल से उगाई गई मूंग के सेवन से कैंसर, लंग्स, किडनी, लिवर फेल्योर, पार्किंसंस रोग का खतरा रहता है। सबसे बड़ा खतरा यह है कि मूंग के दानों में पैराक्वाट के अवशेष रह जाते हैं। जब इन दानों का सेवन किया जाता है, तो ये सीधे मानव शरीर में पहुंचते हैं। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एपिडेमियोलॉजी 2024 में प्रकाशित शोध के अनुसार पैराक्वाट डाइक्लोराइड की रासायनिक संरचना एमपीपी प्लस नामक एक जहरीले पदार्थ से मिलती-जुलती है, जो कि एमपीटीपी नामक रसायन से बनता है। यह वही रसायन है, जिससे 1983 में मनुष्यों में पार्किंसंस जैसा रोग पैदा हुआ था। यह हाइली टॉक्सिक हर्बीसाइड है। थोड़ा-सा भी सेवन या सांस के माध्यम से संपर्क जानलेवा होता है। मुंह और गले में जलन, उलटी-दस्त, पेट में तेज दर्द प्रमुख लक्षण हैं। इससे लंग्स, लिवर, किडनी फेल्योर का खतरा रहता है। सांस के जरिए लेने पर फेफड़ों में फाइब्रोसिस हो सकता है। यह कैंसर कारक होने के साथ ही आंखों और श्वसन तंत्र को प्रभावित करता है। यह केमिकल आर्गेनो फास्फेट फैमिली का है, जिसकी बेहद कम मात्रा किसी रूप में लेने से उलटी-दस्त और पेट में मरोड़ हो सकती है। कुछ ज्यादा होने पर आंतें सिकुड़ जाती हैं। सबसे बड़ी बात इस कीटनाशक का अभी तक कोई एंटी डोज नहीं उपलब्ध है।

मध्य प्रदेश सरकार समय-समय पर कहती रही कि मूंग की फसल को सुखाने के लिए पैराक्वाट का उपयोग करना कानूनन गलत है, इसके बावजूद इस्तेमाल बढ़ता ही जा रहा है। जब 20 लाख टन दाल मंडी में आ ही गई तो चाहे सरकार खरीदे या फिर व्यापारी, झट तो आम लोगों की नसों में घुलना यही है। विदित हो भारत में पैराक्वाट डाइक्लोराइड 24 प्रतिशत एसएल फॉर्मूलेशन पंजीकृत है और इसका उपयोग आलू, कपास, रबर, चाय, मक्का, चावल, अंगूर और जलीय खरपतवारों पर खरपतवार नियंत्रण के लिए अनुमोदित है।

नेपाल के ईवी बाजार में बढ़ता चीन का दबदबा

पुष्परंजन

काठमांडो के एक कैब ड्राइवर, सचिन अधिकारी ने मैसेज भेजा, 'इस बार त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय विमानस्थल पर आपको इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) से रिसीव करूंगा, और होटल छोड़ूंगा। हमने पेट्रोल गाड़ी हटा दी है।' पिछली बार होटल याक एंड यति से एयरपोर्ट छोड़ते समय ड्राइवर सचिन अधिकारी ने मेरा नंबर शेयर किया था। सचिन ने रास्ते भर ईंधन संकट का दुखड़ा रोया था। लगभग एक दशक से पेट्रोल कार से दुखी सचिन, अकेले शख्स नहीं हैं, काठमांडो उपत्यका (घाटी) में कार ड्राइवर भारी रख-रखाव वाले बिल, वाहन कर, और आयातित ईंधन की बढ़ती लागत से बराबर परेशान दिखते हैं। हमारी आखिरी बातचीत को कोट करते हुए सचिन अधिकारी ने लिखा, 'आपने सही कहा था, ईवी तकनीक दुनिया भर में बेहतर हो रही है। मैं इसका अनुभव करना चाहता था, इसलिए मैंने इलेक्ट्रिक वाहन की ओर जल्दी ही रुख किया। मैं यात्रियों के साथ रोज़ाना लगभग सवा सौ किलोमीटर ड्राइव करता हूं, इससे 11,000 नेपाली रुपये (भारतीय मुद्रा में 6888 रु.) कमाता हूं। चार्जिंग का खर्च मुझे सिर्फ़ 500 रुपये (313 भारतीय रुपये) आता है।

हमें चार्जिंग स्टेशन ढूंढ़ने की चिंता भी नहीं है, क्योंकि ये हर 50 से 100 किलोमीटर पर उपलब्ध होते हैं। ईवी कंपनियां 1,60,000 किलोमीटर तक मुफ़्त सर्विसिंग प्रदान करती हैं, जिससे हमें पैसे की बचत काफ़ी होती है।' इस हिमालयी देश में 2020 में केवल 250 इलेक्ट्रिक वाहन थे, अब वो 2025 में बढ़कर 15,000 से अधिक हो गए हैं। नेपाल के भौतिक अवसंरचना एवं परिवहन मंत्रालय के सूचना अधिकारी मोहन निरौला बताते हैं, 'नेपाल में ऊर्जा क्षेत्र से होने वाले कुल वार्षिक ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन में परिवहन क्षेत्र का योगदान 36 प्रतिशत है। नेपाल सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहनों को व्यापक रूप से अपनाना एक महत्वपूर्ण प्राथमिकता माना है। हमारा लक्ष्य 2025 तक 20 प्रतिशत सार्वजनिक परिवहन वाहनों को इलेक्ट्रिक बनाना है। साल 2023 में, नेपाल ने पहली बार जलविद्युत से उत्पादित बिजली का शुद्ध वार्षिक अधिशेष हासिल किया था।

अनुमान है, कि 2030 तक नेपाल में खरीदी जाने वाली सभी नई माइक्रो और मिनी बसों में से 85 प्रतिशत इलेक्ट्रिक होंगी। इस परियोजना से ई-मोबिलिटी के लिए सीधे तौर पर 299 मिलियन यूरो का लाभ मिलेगा।' परिवहन मंत्रालय के सूचना अधिकारी बताते हैं, कि सार्वजनिक परिवहन संचालकों को 3,500 विद्युत सूक्ष्म और लघु बसें (इएमबी) चलाने के लिए सहायता प्रदान की जाएगी। देशव्यापी सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन का विस्तार, और डिजिटलीकरण किया जाएगा। सार्वजनिक परिवहन को अधिक सुलभ और सुविधाजनक बनाने के लिए डिजिटल टिकटिंग प्रणाली और एक ऐप पेश किया जाएगा। दो-तीन दशक पहले तक साफ-सुथरी आबोहवा वाला काठमांडो, अब दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में से एक है। काठमांडो के लाखों निवासियों के लिए खराब वायु गुणवत्ता रोज़मर्रा की परेशानी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा अनुशंसित पीएम 2.5 स्तरों से 20 से 35 गुना अधिक प्रदूषित होने का अंदाज़ा पर्यावरणविद देते हैं। इसके प्रमुख कारणों में लगभग 17.5 लाख वाहनों से निकलने वाला उत्सर्जन, जंगल की आग, ईंट भट्ठों का धुआं, निर्माण स्थलों से निकलने वाली धूल, काठमांडो शहर में कोयले पर पकनेवाली सीक-कबाब की दुकानें, खुले में कचरा जलाने की बुरी आदतों को वो लोग गिनाते हैं, जो शासन में हैं।

विश्व बैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार, नेपाल में वायु प्रदूषण के कारण प्रतिवर्ष लगभग 26,000 अकाल मौतें होने का अनुमान है। वायु प्रदूषण नेपालियों की औसत आयु को 3.4 वर्ष कम कर देता है। काठमांडो घाटी और तराई क्षेत्र को प्रदूषण के प्रमुख हॉटस्पॉट के रूप में पहचाना गया है, जहां पिछले एक दशक में वायु गुणवत्ता में बहुत कम सुधार हुआ है। नेपाल में दम फूलने और सांस की बीमारी आम हो चुकी है। ठीक से देखा जाए, तो इलेक्ट्रिक वाहन इस देश को दुनिया के सबसे प्रदूषित स्थानों की सूची से बाहर निकालने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। यह सबको मालूम है कि नेपाल इलेक्ट्रिक व्हीकल्स निर्माण नहीं कर सकता। चुनांचे, यह देश इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए पड़ोसी मुल्क चीन और भारत से आयात पर निर्भर है। लेकिन क्या, भारतीय कम्पनियां मूल्य के मामले में चीन के मुक़ाबले ठहर पा रही हैं? बीवाईडी, दीपल, स्काईवेल, डोंगफेंग, ओमोडा, नेटा, एमजी और ग्रेट वॉल जैसे चीनी ब्रांड, नेपाली ऑटो मार्केट में देखते-देखते छा गए।

नेपाल के उपप्रधानमन्त्री एवं अर्थमंत्री विष्णुप्रसाद पौडेल ऐसा कुछ नहीं बताते कि चीनी कंपनियों को रेड कार्पेट क्या सोच-समझकर बिछाया जा रहा है, मगर उनका कहना था, 'प्रतिस्पर्धा बढ़ने के साथ डीलर्स ने कम लाभ मार्जिन वाले लोगों को लुभाया है और नए, सस्ते मॉडल की घोषणा की है।' अर्थमंत्री पौडेल ने कहा, कि अब समय आ गया है कि सभी वाहनों का आयात जारी रखने के बजाय, उन्हें नेपाल में ही असेंबल किया जाए। उन्होंने कहा, 'अगर निर्माता यहां प्लांट लगाने का इरादा रखते हैं, तो हम उन्हें हर संभव सहायता देने के लिए तैयार हैं।' नेपाल के तेजी से बढ़ते इलेक्ट्रिक वाहन आयात में 149 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। नेपाल में वित्त वर्ष 16 जुलाई से आरम्भ और दूसरे वर्ष 15 जुलाई को समाप्त होता है। पिछले वित्त वर्ष के दौरान नेपाल में 29.48 अरब रुपये मूल्य के 11,701 इलेक्ट्रिक वाहन आए। है। भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन, हालांकि चीन से गुणवत्ता के मामले में बेहतर होते हैं, लेकिन नेपाल में उन्हें अक्सर उच्च आयात शुल्क और करों का सामना करना पड़ता है।

भोलेनाथ को सावन के महीने में अर्पित करें ये भोग

सावन का महीना शुरू हो चुका है। इस पूरे महीने का हिंदू धर्म में काफी महत्व है। ऐसी मान्यता है कि जो भी व्यक्ति इस महीने में महादेव को प्रसन्न कर लेता है, उसकी हर मनोकामना पूरी होती है। इस कारण हर कोई सच्चे मन से भोलेनाथ की प्रर्थना करता है। अगर आप भी भगवान शिव को खुश करना चाहते हैं तो उनके लिए खास भोग तैयार करें। यदि आप सावन के महीने में महादेव के पसंदीदा पकवानों का भोग लगाएंगे तो इससे वो अवश्य ही खुश होंगे। तो ऐसे ही कुछ पकवान हैं, जो भोलेनाथ को अति प्रिय हैं।

पंचामृत

बात भोलेनाथ के पसंदीदा भोग की हो रही है तो पंचामृत का नाम सबसे ऊपर आता है। ऐसे में आप चाहें तो दूध, दही, घी, शहद और शक्कर से बना पंचामृत भगवान शिव को अर्पित करें। ये सावन के महीने में सबसे पवित्र भोग माना जाता है। इसे बनाना भी काफी आसान है और आप व्रत में इसका सेवन भी कर सकते हैं। क्योंकि पंचामृत पांच खाद्य पदार्थों - दूध, दही, शहद, घी और चीनी का मिश्रण है - जिसका उपयोग पूजा और अभिषेक (अभिषेक अनुष्ठान) में किया जाता है। इसे अक्सर पूजा (प्रार्थना अनुष्ठान) के दौरान चढ़ाया जाता है और फिर प्रसाद (आशीर्वादित भोजन अर्पण) के रूप में वितरित किया जाता है। यह एक स्वादिष्ट मिठाई है जो आध्यात्मिक पोषण के साथ-साथ आराम भी प्रदान करती है।

खीर

चावल और दूध की खीर भी एक ऐसा पकवान है, जिसका भोग महादेव को अर्पित किया जा सकता है। यदि आप कुछ फलाहारी पकवान बनाना चाहते हैं तो खीर की जगह मखाने की खीर भी आप तैयार कर सकते हैं। मखाने की खीर खाने में काफी स्वादिष्ट लगती है।

साबुदाना खिचड़ी

भगवान शिव को फलाहार का भोग लगाने का सोच रहे हैं तो साबुदाना खिचड़ी तैयार करें। साबुदाना खिचड़ी बनाना काफी आसान है, इसे बनाने के लिए बस साबुदाना को कम से कम 6-7 घंटे के लिए भिगो दें, ताकि ये अच्छी तरह से फूल जाए। अब इसे अच्छी तरह से तैयार करें और फिर भोलेनाथ को इसका भोग अर्पण करें। क्योंकि पारंपरिक साबूदाना खिचड़ी न सिर्फ स्वाद में लाजवाब होती है बल्कि इसे खाने के बाद लंबे वक्त तक भूख भी नहीं लगती है। वहीं महाशिवरात्रि महापर्व के मौके पर शिवभक्त व्रत रखते हैं, ऐसे में दिन में फलाहार के तौर पर साबूदाना खिचड़ी को बनाकर खाया जा सकता है। साबूदाना खिचड़ी को बनाना आसान है और इसका स्वाद सभी लोगों को काफी पसंद आता है।

मालपुआ

शिवजी को चढ़ाने के लिए ये एक परफेक्ट विकल्प माना जाता है। इसे आप चाहें तो पहले से तैयार कर सकती हैं। मालपुआ बनाकर उसे फ्रिज में ठंडा करें, ताकि ये और अच्छे लगें। बस ध्यान रखें कि इसका सेवन आप व्रत में नहीं कर सकते।

मावा के लड्डू

मावा के लड्डू खाने में काफी स्वादिष्ट होते हैं। इसलिए आप सावन के महीने में इसे तैयार करके महादेव को इसका भोग लगा सकते हैं। खास बात ये है कि ये जल्दी खराब नहीं होते हैं तो इसे आप पहले से फ्रिज में स्टोर करके रख सकते हैं।

हंसना मना है

टीटू - स्टेशन जाने का कितना लोगे? रिक्शावाला - 50, टीटू- 20 ले लो... रिक्शावाला - 20 में कौन ले जाएगा? टीटू- तुम पीछे बैठो हम ले जाएंगे।

मम्मी : पेपर कैसा था? बेटा : पतला सा था, सफेद रंग का, मम्मी : मेरा मतलब है कि पेपर कैसा हुआ? बेटा : फिफ्टी- फिफ्टी, मम्मी : मैं समझी नहीं? बेटा : जो पेपर में लिखा था वह मेरी समझ में नहीं आया, लेकिन मैंने जो कापी में लिखा है, वह जांचने वाले की समझ में नहीं आएगा।

बस स्टैंड पर खड़ी पड़ोस की लड़की से फिल्मी स्टाइल में पप्पू बोला... प... प... प...प्रिया...तेरी आंखों में मुझे मेरी पत्नी नजर आ रही है... लड़की- थप्पड़ लगाकर बोली...सूरत देखी है? पप्पू: नहीं, बस एक बार अहमदाबाद तक गया हूं।

पतलू- भाई कहां जा रहे हो? मोटू- यार, सुना है सोने में भारी गिरावट आई है, तो सोने जा रहा हूं, पतलू- तुझसे ऐसा किसने कहा? मोटू- अरे कल ही न्यूज में सुना, सोने में काफी गिरावट आई है पहले लोग 6 घंटे सोते थे अब मोबाइल फोन के कारण 5 घंटे ही सोते हैं।

कहानी | भाग्य और पुरुषार्थ

एक बार दो राज्यों के बीच युद्ध की तैयारियां चल रही थीं। दोनों राज्यों के शासक एक प्रसिद्ध संत के भक्त थे। वे अपनी-अपनी विजय का आशीर्वाद मांगने के लिए अलग-अलग समय पर उनके पास पहुंचे। पहले शासक को आशीर्वाद देते हुए संत बोले, 'तुम्हारी विजय निश्चित है।' दूसरे शासक को उन्होंने कहा, 'तुम्हारी विजय संदिग्ध है।' दूसरा शासक संत की यह बात सुनकर चला आया किंतु उसने हार नहीं मानी और अपने सेनापति से कहा, 'हमें मेहनत और पुरुषार्थ पर विश्वास करना चाहिए। इसलिए हमें जोर-शोर से तैयारी करनी होगी। दिन-रात एक कर युद्ध की बारीकियां सीखनी होंगी। अपनी जान तक को झोंकने के लिए तैयार रहना होगा।' इधर पहले शासक की प्रसन्नता का ठिकाना न था। उसने अपनी विजय निश्चित जान अपना सारा ध्यान आमोद-प्रमोद व नृत्य-संगीत में लगा दिया। उसके सैनिक भी रंगरेलियां मनाने में लग गए। निश्चित दिन युद्ध आरंभ हो गया। जिस शासक को विजय का आशीर्वाद था, उसे कोई चिंता ही न थी। उसके सैनिकों ने भी युद्ध का अभ्यास नहीं किया था। दूसरी ओर जिस शासक की विजय संदिग्ध बताई गई थी, उसने व उसके सैनिकों ने दिन-रात एक कर युद्ध की अनेक बारीकियां जान ली थीं। उन्होंने युद्ध में इन्हीं बारीकियों का प्रयोग किया और कुछ ही देर बाद पहले शासक की सेना को परास्त कर दिया। अपनी हार पर पहला शासक बौखला गया और संत के पास जाकर बोला, 'महाराज, आपकी वाणी में कोई दम नहीं है। आप गलत भविष्यवाणी करते हैं।' उसकी बात सुनकर संत मुस्कराते हुए बोले, 'पुत्र, इतना बौखलाने की आवश्यकता नहीं है। तुम्हारी विजय निश्चित थी किंतु उसके लिए मेहनत और पुरुषार्थ भी तो जरूरी था। भाग्य भी हमेशा कर्मरत और पुरुषार्थी मनुष्यों का साथ देता है और उसने दिया भी है तभी तो वह शासक जीत गया जिसकी पराजय निश्चित थी।' संत की बात सुनकर पराजित शासक लज्जित हो गया और संत से क्षमा मांगकर वापस चला आया।

7 अंतर खोजें

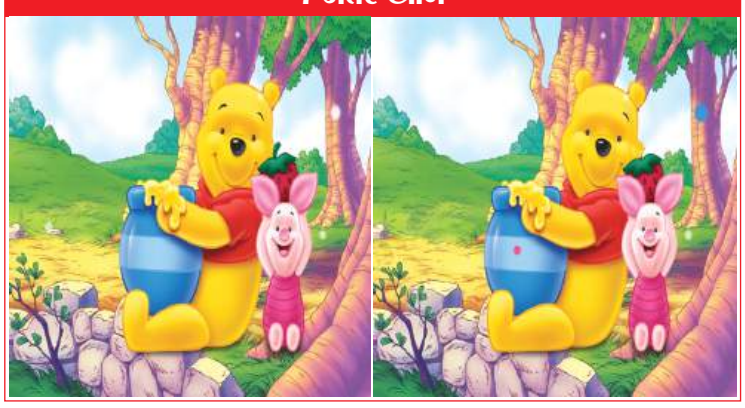

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष मेहनत अधिक होगी। लाभ में कमी रह सकती है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यवसाय-व्यापार मनोनुकूल चलेगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा, सावधानी रखें।

वृषभ मेहनत का फल मिलेगा। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा। सामाजिक कार्य करने का मन लगेगा। मान-सम्मान मिलेगा।

मिथुन उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। फालतू खर्च होगा। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। आत्मसम्मान बना रहेगा। भाइयों का सहयोग मिलेगा। कारोबार से लाभ होगा।

कर्क शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से मनोनुकूल लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। कोई बड़ा काम होने से प्रसन्नता रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है।

सिंह आय में वृद्धि होगी। अपने काम से काम रखें। लाभ के अवसर मिलेंगे। विवेक का प्रयोग करें। हल्की मजाक करने से बचें। अपेक्षित काम में विलंब होगा।

कन्या नए उपक्रम प्रारंभ करने संबंधी योजना बनेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त होगी। नौकरी में प्रशंसा मिलेगी। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। यात्रा लाभदायक रहेगी।

तुला कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। सामाजिक कार्य करने में मन लगेगा। योजना फलीभूत होगी। मान-सम्मान मिलेगा।

वृश्चिक प्रसन्नता बनी रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। सत्संग का लाभ मिलेगा। राजकीय बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी।

धनु दौड़धूप रहेगी। नकारात्मकता हावी रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। किसी व्यक्ति विशेष से कहासुनी हो सकती है। स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है।

मकर सरकारी कामों में सहूलियत होगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। घर में सुख-शांति रहेंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। पार्टनरों से सहयोग मिलेगा। झंझटों में न पड़ें।

कुम्भ स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। ऐश्वर्य के साधनों पर खर्च होगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। विवेक से कार्य करें।

मीन नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। मनपसंद व्यंजनों का लाभ मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा।

बॉलीवुड | मन की बात

मां बनने के बाद सबसे पहले दक्षिणी न्यूजीलैंड की यात्रा करेंगी पत्रलेखा

पत्रलेखा और राजकुमार राव की जिंदगी में एक नई शुरुआत होने जा रही है। ये जोड़ी जल्द ही अपने पहले बच्चे का स्वागत करने वाली है। इसी बीच मॉम टू बी पत्रलेखा ने अपने अनुभव, पिता बनने जा रहे राजकुमार के बर्ताव और आने वाली जिंदगी पर खुलकर बात की। बॉलीवुड अभिनेत्री पत्रलेखा इन दिनों अपनी जिंदगी के सबसे खूबसूरत दौर से गुजर रही हैं। पति और अभिनेता राजकुमार राव के साथ पहली बार मां बनने की तैयारी में लगीं पत्रलेखा ने बताया कि उन्होंने शूटिंग से लंबा ब्रेक ले लिया है और फिलहाल सिर्फ अपने आने वाले बच्चे पर ध्यान दे रही हैं। हाल ही में मुंबई के एक इवेंट में पत्रलेखा ने जब अपने बेबी बंप के साथ शिरकत कीं तो फैंस खुशी से झूम उठे। सोशल मीडिया पर उनके वीडियोज तेजी से वायरल हो गए। पत्रलेखा ने बताया कि फिलहाल उन्हें बहुत थकावट महसूस होती है और वो अब तक इसमें पूरी तरह से ढल नहीं पाई हैं। उन्होंने साफ किया कि अगले 6-7 महीनों तक वो शूटिंग नहीं करेंगी और पूरी तरह घर पर रहेंगी। हालांकि इसका मतलब ये नहीं कि वो अपने प्रोफेशन से पूरी तरह दूर हो गई हैं। उन्होंने बताया कि उनका और राजकुमार का एक खास प्रोजेक्ट जल्द ही नेटफ्लिक्स पर आने वाला है। ये उनके प्रोडक्शन हाउस की पहली पेशकश है और उनके दिल के बेहद करीब है। पत्रलेखा और राजकुमार की जोड़ी बॉलीवुड की सबसे सशक्त जोड़ियों में मानी जाती है। दोनों की शादी नवंबर 2021 में हुई थी। पत्रलेखा ने इंटरव्यू में बताया कि उनकी हालिया न्यूजीलैंड यात्रा ने उन्हें इस बात का यकीन दिलाया कि राजकुमार एक बेहतरीन पिता साबित होंगे। पत्रलेखा ने बताया कि वो बच्चे के जन्म के बाद फिर से न्यूजीलैंड के दक्षिणी हिस्से की यात्रा करेंगे और कुछ रोमांचक एडवेंचर जैसे बंजी जंपिंग भी आजमाना चाहेंगी। उनका मानना है कि बच्चा उनके साथ नया ट्रैवल पार्टनर बन जाएगा।

अब साउथ फिल्म में विजय सेतुपति के साथ विलेन की भूमिका निभाएंगी तब्बू

तब्बू की गिनती बॉलीवुड की उन चुनिंदा अभिनेत्रियों में होती है, जिन्होंने अपने करियर में अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं। वो एक रोमांटिक रोल से लेकर फिल्मों में ग्रे और निगेटिव कैरेक्टर्स में भी नजर आई हैं। अब तब्बू के अगले रोल को लेकर भी एक बड़ी जानकारी सामने आ रही है। एक बार फिर तब्बू पर्दे पर एक अलग अंदाज में नजर आ सकती हैं।

कुछ दिनों पहले मेकर्स ने ये जानकारी साझा की थी कि तब्बू पुरी जगन्नाथ द्वारा निर्देशित फिल्म में विजय सेतुपति के साथ स्क्रीन साझा करती नजर आएंगी। अब ऐसी रिपोर्ट्स सामने आ रही हैं कि तब्बू इस फिल्म में एक निगेटिव किरदार में नजर आएंगी। तब्बू पुरी जगन्नाथ की इस फिल्म में विलेन की भूमिका में नजर आ सकती हैं। हालांकि, अभी तक मेकर्स की तरफ से इस बारे में कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की गई है। इसलिए अभी ये सिर्फ रिपोर्ट्स के हवाले से ही खबरें हैं।

वैसे तब्बू इससे पहले भी कई बार पर्दे पर विलेन की भूमिका में नजर आ चुकी हैं। तब्बू इससे पहले 'मकबूल' 'फितूर', 'हैदर' और 'अंधाधुंध' जैसी फिल्मों में निगेटिव किरदार में नजर आ चुकी हैं। इन सभी फिल्मों में तब्बू के किरदार को काफी पसंद किया गया था। ऐसे में अब अगर एक बार फिर तब्बू बड़े पर्दे पर विलेन के रूप में आती हैं, तो उन्हें देखना खास होगा। पुरी जगन्नाथ की ये अनटाइटल्ड फिल्म एक पैन इंडिया फिल्म होगी। इसमें विजय सेतुपति और तब्बू प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म के बारे में अभी बाकी जानकारी सामने नहीं आई है।

वर्कफ्रंट की बात करें तो तब्बू प्रियदर्शन की हॉरर-कॉमेडी भूत बंगला की तैयारी कर रही हैं, जिसमें अक्षय कुमार, जिशु सेनगुप्ता और वामिका गब्बी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म के अगले साल रिलीज होने की उम्मीद है।

अब ओटीटी पर धमाल मचाएगी अक्षय कुमार की 'हाउसफुल 5'

अक्षय कुमार की मल्टी स्टारर फिल्म 'हाउसफुल 5' ने 6 जून, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक दी थी। यह फिल्म न केवल अपने सितारों से सजी कलाकारों की टोली के लिए, बल्कि अपने अनोखे क्लाइमेक्स के लिए भी खूब चर्चा में रही थी। दरअसल फिल्म को दो वर्जन हाउसफुल 5ए और हाउसफुल 5बी के साथ रिलीज किया गया था और दिलचस्प बात ये थी कि दोनों का क्लाइमेक्स अलग-अलग है।

मेकर्स के इस एक्सपेरिमेंट को दर्शकों ने खूब पसंद किया और इसी के साथ ने 'हाउसफुल 5' ने बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छा परफॉर्म किया। वहीं अब ये ओटीटी पर रिलीज होने जा रही है।

जो लोग 'हाउसफुल 5' को सिनेमाघरों में देखने से चूक गए हैं उनके लिए गुड न्यूज है कि वे अब घर बैठे आराम से इस कॉमेडी-थ्रिलर को एंजॉय कर सकते हैं। फिल्म अमेजॉन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होने की उम्मीद है। वहीं कुछ रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ये फिल्म जुलाई के लास्ट में ओटीटी पर स्ट्रीम हो सकती है। जबकि कुछ अन्य रिपोर्ट्स के मुताबिक 'हाउसफुल 5' एक अगस्त को ओटीटी पर आएगी। हालांकि इसे लेकर ऑफिशियल कंफर्मेशन होनी बाकी है। लेकिन चर्चा है कि जल्द ही इसका डिजिटल प्रीमियर होने की उम्मीद है। एक आलीशान क्रूज लाइनर पर सेट, हाउसफुल-5 कॉमेडी और सस्पेंस से भरपूर है। इसकी कहानी एक अरबपति की चौंकाने वाली मौत के इर्द-गिर्द घूमती है। वह अपने उत्तराधिकारी जॉली की घोषणा करता है तो क्रूज लाइनर पर मौजू तीन लोग अक्षय कुमार, रितेश देशमुख और अभिषेक बच्चन के किरदार खुद को जॉली होने का दावा करते हैं। इसके बाद गलत पहचान, रिश्तों का ड्रामा और उथल-पुथल भरी उलझनों का एक रोलरकोस्टर शुरू होता है, जहां उनकी गर्लफ्रेंड (जैकलीन फर्नांडीज, सोनम बाजवा और नरगिस फाखरी) और सनकी इनवेस्टीगेटर्स की एक टीम सच्चाई का पता लगाने की कोशिश करती है। तरुण मनसुखानी द्वारा निर्देशित और फरहाद सामजी द्वारा को-राइट की गई, हाउसफुल 5 में संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, नाना पाटेकर, चित्रांगदा सिंह, डिनो मोरिया, फरदीन खान, जॉनी लीवर, चंकी पांडे, रंजीत, श्रेयस तलपड़े, ध्वनि शर्मा, अर्चना ढेरिन, निकी अर्चना पूरन सिंह, बॉबी देओल और मिथुन चक्रवर्ती जैसे कलाकारों की टोली शामिल है।

अजब-गजब | इसे कहा जाता है असली प्रेम

प्रेमिका के आईपीएस बनने की मन्नत को लेकर 121 ली. गंगाजल का कांवड़ लेकर पैदल निकल पड़ा प्रेमी

सावन के पवित्र महीने में शिवभक्त कांवड यात्रा पर निकलते हैं। ऐसा करते भक्त भगवान शिव को प्रसन्न करना चाहते हैं, जिससे भोलेनाथ उनकी मनोकामना पूर्ण करें। कई लोग मनोकामना लेकर कांवड यात्रा शुरू करते हैं। हरिद्वार, गौमुख और गंगोत्री से गंगाजल लेकर लाखों कांवरिए अपने स्थानीय शिव मंदिरों की ओर बढ़ रहे हैं। इस बीच एक अनोखे कांवरिए की कहानी लोगों का ध्यान खींच रही है। दरअसल, दिल्ली के नरेला निवासी राहुल कुमार अपनी प्रेमिका के IPS बनने की मन्नत लेकर 121 लीटर गंगाजल से भरी कांवर कंधे पर उठाए 220 किलोमीटर की पैदल यात्रा कर रहे हैं। यह उनकी चौथी कांवर यात्रा है और उनका संकल्प है कि जब तक उनकी प्रेमिका IPS नहीं बन जाती, वे हर साल यह तपस्या करेंगे।

बता दें कि राहुल खुद केवल 12वीं पास हैं लेकिन अपनी प्रेमिका को IPS बनाना चाहते हैं। ऐसे में वह भी अपनी प्रेमिका के सिविल सेवा की तैयारी में समर्पित हैं। उन्होंने बताया कि उनकी प्रेमिका UPSC की कठिन परीक्षा की तैयारी कर रही है और वह भगवान शिव से उनकी सफलता की प्रार्थना कर रहे हैं। इस बार उन्होंने पिछले साल के 101 लीटर गंगाजल से बढ़कर 121 लीटर जल लिया है। राहुल का कहना है कि वह तब तक कांवड़ लाते रहेंगे जब तक उनकी प्रेमिका IPS नहीं बन जाती। यह कहानी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। लोग उनके जज्बे की तारीफ कर रहे हैं। कांवर यात्रा, जो सावन (जुलाई-अगस्त) में होती है, शिव भक्तों के लिए तप और भक्ति का प्रतीक है। कांवडिए नंगे पांव सैकड़ों किलोमीटर चलकर गंगाजल लाते हैं और शिवलिंग पर जलाभिषेक करते हैं। राहुल की यात्रा हरिद्वार से शुरू हुई, जहां से उन्होंने 150 किलोमीटर की दूरी बिना रुके तय कर ली है। राहुल की कहानी को ना केवल प्रेम, बल्कि भक्ति और तप के संगम के रूप में देखा जा रहा है। कांवड यात्रा में हर साल लाखों भक्त हिस्सा लेते हैं, लेकिन इसमें चुनौतियां भी कम नहीं हैं। हाल ही में मुजफ्फरनगर में एक कांवर पर थूकने की घटना ने तनाव पैदा किया था, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया। इसके बावजूद, यात्रा में सामुदायिक समर्थन मजबूत है। रास्ते में कांवड संगठनों द्वारा भोजन और विश्राम की व्यवस्था की जाती है। राहुल ने बताया कि स्थानीय लोगों का सहयोग उनकी यात्रा को आसान बना रहा है।

बोतल में संदेश रख 12 साल की बच्ची ने समुद्र में फेंका, 31 साल बाद मिला जवाब

कई बार बच्चे अजीब हरकतें करते हैं। कई बार ऐसा भी होता है कि कोई काम करके हम भूल जाते हैं लेकिन सोचिए उस काम का परिणाम अगर 30 साल बाद मिले तो। ऐसा ही कुछ एक बच्ची के साथ हुआ। दरअसल, बच्ची ने 31 साल पहले एक संदेश लिखकर बोतल में बंद कर दिया था और उसे समुद्र में फेंक दिया था। लेकिन उसे इसका जबाव उसे 43 साल की उम्र में मिला हे। यह संदेश जिस महिला को मिला उसे भी बहुत हैरानी हुई और जब उसने संदेश में लिखे पते पर जवाब दिया उसके बाद उसे भी चौंकाने वाली बातें पता चलीं। रिपोर्ट के अनुसार, 1994 में एलैना 12 साल की थी। उस वक्त उसने एक संदेश लिखकर उसे बोतल में बंद कर समुद्र में फेंका था। हालांकि उसे बिल्कुल भी उम्मीद नहीं थी कि यह संदेश 31 साल बाद किसी को मिलेगा। बोतल स्कॉटलैंड से 725 मील दूर नॉर्वे के एक समुद्र तट पर पहुंच गई। एलैना को एक दिन पोस्टकार्ड मिला जिस पर उसका नाम लिखा था। यह देखकर वह चौंक गई। एलैना को जो जवाब मिला उस पोस्टकार्ड में लिखा था कि उसका संदेश नॉर्वे में मिला। एलैना का वह संदेश 27 साल की पिया ब्रोडटमैन को मिला। पिया एक चैरिटी के लिए समुद्र तट की सफाई कर रही थी। पिया ने एलैना को पोस्टकार्ड भेजा जिसके साथ कुछ तस्वीरें थीं। इनमें बोतल, पिया की नाव नेमो और वह जगह थी जहां बोतल मिली। एलैना ने बताया कि यह स्कूल प्रोजेक्ट का हिस्सा था। उनकी टीचर एन ब्रूस ने प्रोजेक्ट शुरू किया था। उनके पति मछुआरे थे। उन्होंने बोतल को समुद्र में फेंका था। एलैना अब पिया के साथ फेसबुक पर जुड़ना चाहती है। वह अपनी पुरानी टीचर से भी मिलना चाहती है। लेकिन उनके पास टीचर का पता नहीं है। एलैना ने कहा, मुझे बहुत खुशी हुई कि मेरा संदेश मिला। यह 31 साल बाद भी साफ था। यह बहुत हैरानी वाली बात है। पिया के लिए भी यह खोज खास थी। उसने बताया कि उसने बोतल को चट्टानों के बीच देखा, बोतल टूटी नहीं थी। उसमें पानी भी नहीं था। बोतल में एक कागज था। उस पर लिखा था, खोजने वाले के लिए। पिया को लगा कि यह खास है। उसने लंच ब्रेक में अपने साथियों के साथ संदेश पड़ा। पिया ने देखा कि बोतल में कागज साफ था। उस पर एलैना का पता लिखा था। पिया ने तुरंत जवाब देने का फैसला किया।

भाजपा सरकार ने दिल्ली को अराजकता की ओर धकेला : केजरीवाल

आप संयोजक ने सीएम रेखा पर साधा निशाना

» बोले- चार इंजन की सरकार लेकिन कानून-व्यवस्था पटरी से उतरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। हरियाणा व दिल्ली की कानून व्यवस्था को लेकर विपक्षी दलों ने दोनों राज्यों के भाजपा सरकारों पर जमकर हमला बोला है। जहां हरियाणा की सैनी सरकार पर कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला जमकर हमला बोला हैं वहीं आप संयोजक व दिल्ली के पूर्व सीएम ने सीएम रेखा गुप्ता व गृहमंत्रालय पर तीखा प्रहार किया। दिल्ली में बढ़ते अपराध को लेकर आम आदमी पार्टी ने भाजपा पर निशाना साधा है। पार्टी का दावा है कि भाजपा सरकार दिल्ली में हो रहे अपराध की रोकथाम में फेल हुई है।

पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में चार इंजन की सरकार, लेकिन कानून-व्यवस्था पटरी से उतरी हुई है। लूट, हत्या, रंगदारी आम हो गई है। भाजपा की सरकार दिल्ली को अराजकता की ओर धकेल रही हैं। वहीं सुरजेवाला ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पर हमला बोलते हुए सुरजेवाला ने कहा कि 1996 से 1999 में जब हविपा और भाजपा की सरकार थी तब गुंडाराज कायम था व 2000 से लेकर 2005 तक जब इनेलो और बीजेपी की सरकार थी तब कस्बों, शहरों, जिलों और सड़कों पर गैंगस्टर्स, माफियाओं और गुंडों से हरियाणा को शर्मसार होना पड़ा था। आज फिर वही दहशत का दौर आ गया है। वहीं आप नेताने कहा कि भाजपा ऑटो कंपनियों को फायदा पहुंचाने के लिए दिल्ली के 61 लाख लोगों को नई गाड़ियां खरीदने के लिए मजबूर कर रही है, जबकि इनमें से कई गाड़ियां बहुत कम चली हैं और प्रदूषण भी नहीं कर रहीं हैं।

भाजपा की सरकार हर तरफ फेल : आतिशी

वहीं नेता विपक्ष और पूर्व दिल्ली सीएम आतिशी ने कहा कि भाजपा को सत्ता में आने के बाद राजधानी में अपराध का रिपोर्ट कार्ड खराब है। पिछले छह महीने में लूटपाट, हत्या, व्यापारियों से रंगदारी मांगने की घटनाओं से दिल्ली वाले परेशान है। दिल्ली में चार इंजन की सरकार है, भाजपा के हाथ में दिल्ली पुलिस है फिर भी लोग यहां सुरक्षित नहीं हैं। भाजपा की सरकार हर तरफ से फेल है। वहीं अन्य नेताओं ने कहा कि रविवार को सामने आई मीडिया रिपोर्ट में अपराध को लेकर डाटा जारी हुआ है। यह डाटा दिल्ली कही सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाती है। दिल्ली में हत्या के मामले बढ़ रहे हैं।

भाजपा राज में अपराध का चल रहा है अमृतकाल : रणदीप सुरजेवाला

राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला व विधायक आदित्य सुरजेवाला ने जन समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनके जल्द निपटारे के निर्देश दिए। इस मौके पर सुरजेवाला ने भाजपा पर जमकर कटाक्ष किया। राज्यसभा सांसद ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के राज में अपराध का अमृत काल चल रहा है। मुख्यमंत्री नायब सैनी पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा सीएम के पास खुद गृह विभाग है और जिस तरह से अपराध का बेतहाशा विकास हो रहा है, इससे नायब सैनी नाकाम साबित हो चुके हैं। पूर्व की भाजपा सरकारों में गुंडाराज और माफिया राज हमेशा से चेहरा रहा है। रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि मुख्यमंत्री के जिले में व्यापारियों को सरेआम धमकियां दी जा रही हैं, कारोबारी दहशत में हैं। हरियाणा में आए दिन जघन्य अपराध की वारदातें हो रही हैं जिससे आम नागरिकों में भय का माहौल है। सुरजेवाला ने कहा कि हरियाणा में गैंगस्टर्स का आतंक बहुत ज्यादा बढ़ गया है, संगठित अपराध की खुलेआम सक्रियता ने राज्य को जंगलराज की ओर धकेल दिया है।

हिमाचल को बिना शर्त आपदा राहत पैकेज दे केंद्र सरकार: सीएम सुक्खू

» दिल्ली में कांग्रेस हाईकमान से भी कर सकते हैं मुलाकात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने दिल्ली रवाना होने से पहले सोशल मीडिया पर कहा कि हिमाचल में प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान की भरपाई के लिए केंद्र सरकार बिना शर्त राहत पैकेज दे। इससे सहायता सीधे प्रभावित परिवारों तक पहुंचाई जा सकेगी। सीएम सुक्खू दोपहर बाद दिल्ली पहुंचे। सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर उन्हें हिमाचल समेत मंडी जिले में बादल फटने, भारी बारिश और भूस्खलन से हुए जानमाल को हुए नुकसान की जानकारी देंगे। सीएम अन्य केंद्रीय मंत्रियों से भी मुलाकात कर सकते हैं।

सोशल मीडिया पर सीएम ने कहा कि बादल फटने जैसी घटनाओं के पीछे के वैज्ञानिक और पर्यावरणीय कारणों का गहराई से अध्ययन किया जाना समय की आवश्यकता है। ऐसा अध्ययन आपदा प्रबंधन की रणनीतियों को सशक्त बनाने के साथ-साथ हमें पर्यावरणीय असंतुलन को समझने और भविष्य की चुनौतियों के प्रति तैयार रहने में सक्षम बनाएगा। आपदा प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर बसाने के लिए हमें वन भूमि की आवश्यकता है। हम केंद्र सरकार से आग्रह करते हैं कि पुनर्वास के लिए वन भूमि पर घर बनाने की अनुमति दी जाए।

ऊर्जामंत्री का बिल बकाया, कब कटेगी बिजली

सीएम से सांसद बेनीवाल ने किया सवाल

» मंत्री के सरकारी आवास का 2 लाख से अधिक बिजली बिल बकाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर के खिलाफ सांसद हनुमान बेनीवाल ने बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि मंत्री के सरकारी आवास पर 2,17,428 रुपये की बिजली बिल की बकाया राशि है। जयपुर के शहीद स्मारक पर धरने के दौरान बेनीवाल ने इस मुद्दे को उठाते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से सीधे सवाल किया कि कब तक कट जाएगी लाइट? बेनीवाल ने मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि ऊर्जा मंत्री को जयपुर के ज्योति नगर स्थित विधायक कॉलोनी में B-2 ब्लॉक के 401 और 402 नंबर के दो फ्लैट आवंटित हैं। इसके अलावा अस्पताल रोड पर भी उन्हें फ्लैट नंबर-4 आवंटित है।

सांसद ने कहा कि इन तीनों जगहों पर बिजली बिल बकाया हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जब सरकार ने उनके नागौर स्थित

सांसद कार्यालय का बिजली कनेक्शन बकाया के चलते काट दिया और आवास को लेकर नोटिस भेजा, तो अब ऊर्जा मंत्री के आवास का कनेक्शन क्यों नहीं काटा जा रहा? सांसद बेनीवाल ने बताया कि जब मंत्री के तीनों फ्लैटों के बिजली बिल सरकारी खजाने से भरवाने का प्रस्ताव कोषागार को भेजा गया, तो उसे खारिज कर दिया गया। कोषागार ने स्पष्ट किया कि एक मंत्री के केवल एक आवास का बिजली बिल ही सरकार द्वारा वहन किया जा सकता है। उन्होंने ऊर्जा मंत्री पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि स्मार्ट मीटर के टेंडर जिस ठेकेदार को दिए गए, उससे ऊर्जा मंत्री ने मोटा कमीशन लिया है।

खींवसर विधायक पर भी लगाया नियमों के उल्लंघन का आरोप

उन्होंने खींवसर विधायक देवतराम डांगा और उनके परिजनों पर भी नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पीडीसी के बावजूद विभाग ने उनका बिजली कनेक्शन नहीं काटा और नियम विरुद्ध पुनः कनेक्शन दे दिया गया। इसके साथ ही उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि खींवसर विधायक फसल बीमा योजना और अवैध खनन के मामलों में भी अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं।रीट लेवल प्रथम घोटाले की सीबीआई जांच की मांग दोहराते हुए बेनीवाल ने कहा कि यदि निष्पक्ष जांच हो तो कांग्रेस के कई नेता जेल में होंगे। वहीं एसआई भर्ती परीक्षा को लेकर सरकार पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कोर्ट ने भी सरकार के रुख पर सवाल खड़े किए हैं। पूर्व सांसद और कांग्रेस नेत्री ज्योति मिर्धा पर आरोप लगाते हुए बेनीवाल ने कहा कि वे नागौर में अवैध बजरी खनन में लिप्त हैं।

सचिन की एलीट सूची में शामिल हुए जो रूट

» चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए पूरे किए 8000 टेस्ट रन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लंदन। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने एक और उपलब्धि अपने नाम कर ली है और वह नंबर चार पर बल्लेबाजी करते हुए 8000 या इससे अधिक टेस्ट रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। रूट दुनिया के ऐसे चौथे बल्लेबाज हैं जिन्होंने इस स्थान पर बल्लेबाजी करते हुए इतने रन बनाए हैं। रूट भारत के खिलाफ लॉर्ड्स में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन इस उपलब्धि पर पहुंचे।

रूट से पहले टेस्ट क्रिकेट में नंबर चार पर बल्लेबाजी करते हुए 8000 या इससे ज्यादा रन सचिन तेंदुलकर, माहेला जयवर्धने और जैक कैलिस ने बनाए हैं। रूट ने चौथे दिन लंच से पहले ही यह उपलब्धि अपने नाम कर ली थी। सचिन एकमात्र ऐसे बल्लेबाज हैं जिन्होंने इस स्थान पर बल्लेबाजी करते हुए 10000 से अधिक रन बनाए हैं। सचिन ने टेस्ट में चौथे स्थान पर बल्लेबाजी करते हुए 179 मैचों में 13492 रन बनाए हैं। दूसरे स्थान पर जयवर्धने है जिन्होंने 124 मैचों में 9509 रन और कैलिस ने 9033 रन बनाए हैं।

भारत ने छक्कों के मामले में कीवी-विंडीज को पीछे छोड़ा

भारत और इंग्लैंड के बीच फिलहाल लॉर्ड्स में तीसरा टेस्ट खेला जा रहा है। हालांकि, शुभमन गिल की टीम इंडिया ने तीन टेस्ट में ही एक बड़ा रिकॉर्ड तोड़ दिया है। तीसरे टेस्ट में अभी टीम इंडिया की दूसरी पारी में बल्लेबाजी नहीं आई है। आधे सफर में ही भारत ने न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज जैसी टीमों का एक बड़ा रिकॉर्ड तोड़ दिया है। भारतीय टीम किसी विदेशी सरजमीं पर एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाली टीम बन गई है। भारत ने अब तक सीरीज में पांच बार बल्लेबाजी की है और कुल 36 छक्के लगाए हैं। इससे पहले विदेशी सरजमीं पर एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज के नाम था। कीवियों ने पाकिस्तान के खिलाफ यूएई में 32 छक्के जड़े थे। वहीं, वेस्टइंडीज ने भारतीय दौरे पर 32 छक्के लगाए थे। दोनों टीमों के बीच पांच मैचों की सीरीज खेली गई थी। वहीं, भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा सीरीज में आधे सफर में ही 36 छक्के जड़ दिए हैं।

हत्यारे नगर निगम के खिलाफ फूटा गुस्सा

लखनऊ पश्चिम में जनता ने उठाया आंदोलन का झंडा, पार्षद शाइस्ता परवीन के खिलाफ असंतोष

मो. शारिक/ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम के जोन-6 अंतर्गत आने वाले गढ़ी पीर खां वार्ड की सियासी गर्मी इन दिनों अपने चरम पर है। जनता अब चुप नहीं बैठी है दीवारों पर लगे तीखे, तल्ख और सीधे आरोपों से भरे पोस्टर इस बात का साफ संकेत दे रहे हैं कि पार्षद शाइस्ता परवीन के खिलाफ असंतोष सुलग नहीं रहा, बल्कि खुलकर भड़क चुका है।

शाइस्ता परवीन पैदल चलकर दिखाओ, पोस्टरों से गूंजे मोहल्ले। यासीनगंज, करीमगंज और कृष्णापुरी कॉलोनी में लगे पोस्टर किसी गुस्से की अफवाह नहीं, बल्कि जमीनी सच्चाई हैं। पोस्टरों में लिखा है-शाइस्ता परवीन पैदल चलकर दिखाओ,शाइस्ता परवीन माफी मांगो।

सुभाष मिश्रा उर्फ राजू पंडित का सीधा हमला

भाजपा के तेजतर्रार नेता सुभाष मिश्रा उर्फ राजू पंडित ने तो इस मुद्दे पर और भी तीखा रुख अपनाया है। उन्होंने दो दिन पूर्व ठाकुरगंज के मल्लाही टोला में बारिश के दौरान एक युवक की बह जाने की घटना पर नगर निगम और पार्षद को खुला ज़िम्मेदार ठहराया। हमने मेयर सुषमा खर्कवाल से लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राज्यपाल तक को पत्र भेजे। सबूत दिए। हालात बताए। लेकिन व्यवस्था की रीढ़ इतनी कमजोर है कि आज तक एक ईंट भी नहीं हिली। क्या यह लखनऊ पश्चिम की नहीं, पूरे सिस्टम की नाकामी नहीं है?

... तो अब वोट देखकर सफाई करेगा नगर निगम

रामनगर में तीन महीने से अधिक समय से सीवेज लाइन जाम है। लोगों ने जोनल अधिकारी अनुज सिंह और सुपरवाइजर चौहान से कई बार गुहार लगाई, मगर कोई कार्रवाई नहीं हुई।जब मोहल्ले वालों ने सफाई की मांग की, तो कर्मचारियों ने जवाब दिया-आप लोगों ने शाइस्ता परवीन को वोट नहीं दिया, इसलिए आपके यहां काम नहीं होगा। जनता का अल्टीमेटम-अब सड़कों पर उतरने की बारी स्थानीय नागरिकों ने चेताया है कि यदि जल्द सफाई, सीवर और डंपिंग की समस्याओं का हल नहीं हुआ, तो वे धरना, प्रदर्शन, और जन आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे।

खुले नाले में गिरकर युवक की मौत मामले में कार्रवाई तेज

» नगर आयुक्त के निर्देश पर ठेकेदार पर एफआईआर

» अभियंता निलंबित, शहरभर में विशेष अभियान शुरू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मल्लाही टोला प्रथम वार्ड में मंजू टंडन ढाल के पास खुले नाले में गिरने से 12 जुलाई को एक युवक की मौत हो गई। सूचना पर नगर आयुक्त गौरव कुमार स्वयं मौके पर पहुंचे और तत्काल सर्च ऑपरेशन शुरू कराया। कई घंटों की तलाश के बाद युवक का शव रविवार को बरामद किया गया।घटना के बाद नगर आयुक्त ने पूरे नगर निगम अमले को विशेष अभियान चलाकर सभी खुले नालों और मैनहोल को तुरंत कवर करने का निर्देश दिया। साथ ही क्षतिग्रस्त कवर को भी तत्काल दुरुस्त कराने को कहा।

नगर निगम ने 24 घंटे नियंत्रण कक्ष से पूरे शहर की निगरानी भी शुरू कर दी है।प्रथम दृष्टया जांच में नाले की समुचित कवरिंग न होने के लिए सफाई ठेकेदार श्री अंकित कुमार की लापरवाही सामने आई। नगर निगम ने अंकित कुमार के खिलाफ स्वङ्क दर्ज कर उनकी फर्म अनिका इंटरप्राइजेज को ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई की है। वहीं अवर अभियंता रमन कुमार सिंह को निलंबित कर विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं।

समय रहते कार्य होता तो बच जाती जान : पार्षद मोंटी

लखनऊ। मल्लाही टोला प्रथम वार्ड में खुले नाले में युवक की दर्दनाक मौत के बाद मौलवीगंज वार्ड के पार्षद मुकेश सिंह मोंटी ने नगर निगम की लापरवाही पर कड़ा सवाल उठाया है। पार्षद मोंटी ने कहा कि अगर वर्षा ऋतु से पहले अवस्थापना मद और 15वें वित्त आयोग की धनराशि का उपयोग कर समय पर नालों और सड़कों की मरम्मत कर दी गई होती, तो यह हादसा रोका जा सकता था। उन्होंने स्पष्ट किया कि ठेकेदार को केवल सफाई का काम सौंपा गया था, जबकि नाले पर कवर लगवाना नगर निगम की जिम्मेदारी थी।

नगर निगम में नहीं सुनी जा रहीं पार्षदों की आवाज : लईक आगा

लखनऊ। कश्मीरी मोहल्ला वार्ड-105 के पार्षद लईक आगा ने नगर निगम पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि पिछले एक साल से वे नगर आयुक्त को अपने वार्ड की समस्याओं को लेकर लगातार पत्र लिख रहे हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही।पार्षद आगा ने बताया कि वार्ड में कई जगह नालों के कवर के पत्थर हटे हुए हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर किसी भी तरह की अनहोनी होती है तो उसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। लईक आगा ने कहा, पार्षद जनता की समस्याओं को नगर निगम तक पहुंचाते हैं, लेकिन जब सुनवाई ही न हो तो लोग किसके पास जाएं?

भाजपा के राज में हर जगह सड़ांध : ममता बनर्जी

» ओडिशा यौन उत्पीड़न से तंग छात्रा ने खुद को लगाई आग

» बीजद और टीएमसी ने भाजपा सरकार पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कटक। ओडिशा के बालासोर जिले में यौन उत्पीडन से परेशान एक कॉलेज छात्रा द्वारा खुद को आग लगाने की दिल दहला देने वाली घटना ने राज्य में हडकंप मचा दिया है। इस घटना पर राजनीतिक दलों की तीखी प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। भाजपा सरकार पर बीजद व टीएमसी ने जोरदार हमला बोला है।

बीजेडी के नेताओं ने बालासोर में हुई इस घटना के खिलाफ भुवनेश्वर में मुख्यमंत्री आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। टीएमसी ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर पोस्ट किया, अलग दिन, अलग पीड़ित - भाजपा के राज में वही सडांध। टीएमसी ने आगे कहा, मोहन चरण माझी की चुप्पी शर्मनाक है, और प्रधानमंत्री मोदी की ओर से किसी भी निंदा का अभाव केवल उसी बात की पुष्टि करता है जो हम पहले से ही जानते हैं। बेटी बचाओ, बेटी पढाओ एक तमाशा है। बता दें छात्रा ने अपने विभागाध्यक्ष पर बार-बार यौन संबंध बनाने की मांग करने और इनकार करने पर उसका भविष्य बर्बाद करने की धमकी देने का आरोप लगाया था। बालासोर में कॉलेज छात्रा के आत्मदाह के प्रयास के बाद प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई की है। कॉलेज प्रिंसिपल को निलंबित कर दिया गया है, जबकि आरोपी विभागाध्यक्ष को गिरफ्तार कर लिया गया है।रिपोर्ट्स के अनुसार, बालासोर के एफएम स्वायत्त कॉलेज की द्वितीय वर्ष की इंटीग्रेटेड बी.एड. छात्रा ने विभागाध्यक्ष और सहायक प्रोफेसर समीर कुमार साहू के उत्पीडन से तंग आकर खुद को आग लगा ली। वह 90 प्रतिशत से अधिक जल चुकी है और उसकी हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। उसे बचाने की कोशिश करने वाला एक साथी छात्र भी 70 प्रतिशत तक

मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने किया दौरा

घटना की गंभीरता को देखते हुए ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और उपमुख्यमंत्री कनक वर्धन सिंह देव ने एम्स भुवनेश्वर पहुंचकर छात्रा और उसके माता-पिता से मुलाकात की। मुख्यमंत्री माझी ने मीडिया से बातचीत में कहा, भुवनेश्वर एम्स में उनका इलाज चल रहा है। अभी मरीज की हालत बहुत नाजुक है। मेडिकल टीम इलाज कर रही है... अगले 24 घंटे तक कुछ कहा नहीं जा सकता... हमने परिवार से बातचीत की... हम प्रार्थना करते हैं कि वे जल्दी ठीक हो जाएं।

बिहार की वोटर लिस्ट पर अब भी जारी है संग्राम

बांग्लादेशी, नेपाली, म्यांमारियों के नाम पर बवाल, विपक्ष ने भाजपा सरकार व चुनाव आयोग को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार की मतदाता सूची में विदेशी नागरिकों के नाम शामिल होने के खुलासे ने राज्य में एक बड़ा राजनीतिक संकट खड़ा कर दिया है। बताया जा रहा है कि मतदाता सूची में बांग्लादेश, नेपाल और म्यांमार मूल के लोगों के नाम पाए गए हैं, जिसने चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर सवालिया निशान लगा दिया है।

इस चौंकाने वाली जानकारी के बाद भारतीय जनता पार्टी ने विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा है, खासकर उन पर जो मतदाता सूची पुनरीक्षण का विरोध कर रहे थे। अब इस गंभीर आरोप पर राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव और जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने भी अपनी राय व्यक्त की है, जिससे यह मुद्दा और गरमा गया है।

एनडीए सरकार की वजह से विदेशी नाम जुड़े : तेजस्वी

इस मुद्दे पर पूछे जाने पर, राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा, ये सूत्र कौन हैं? ये वही सूत्र हैं जिन्होंने कहा था कि इस्लामाबाद, कराची और लाहौर पर कब्जा कर लिया गया है। ये सूत्र को हम मूत्र समझते हैं। एसआईआर आखिरी बार 2003 में यूपीए सरकार में किया गया था। तब कई चुनाव हुए हैं, उन चुनावों में हम 3-4 लाख वोटों से हारे हैं। क्या इसका मतलब है कि इन सभी विदेशियों ने पीएम मोदी को वोट दिया? इसका मतलब है कि मतदाता सूची में किसी भी संदिग्ध तत्व के नाम जुड़ने के लिए एनडीए दोषी है। इसका मतलब है कि उन्होंने जो भी चुनाव जीते हैं, वे सभी धोखाधड़ी वाले रहे हैं। जहां तक नेपाल की बात है तो बिहार और नेपाल का रोटी और बेटी का संबंध है। बिहार पुलिस में नेपाली लोग हैं। आर्मी में नेपाली लोग हैं। सुप्रीम कोर्ट ने जबसे मामले को संज्ञान में लिया है और जब से चुनाव आयोग को सलाह दी है। तब से उनके हाथ पांव फूले हुए हैं। अगर फर्जी वोटर हैं भी तो जिम्मेदारी किसकी है? चुनाव आयोग है और एनडीए सरकार की है। चुनाव आयोग राजनीतिक दल का प्रकोष्ठ बनकर काम कर रहा है।

विदेशी घुसपैठ के लिए नीतीश सरकार जिम्मेदार : प्रशांत

जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने इसपर कहा, चुनाव आयोग ने पुनरीक्षण की प्रक्रिया शुरू की है। यदि वे बता रहे हैं कि यहां नेपाली और बांग्लादेशी हैं तो यह बड़ी चिंता की बात है। क्या चुनाव आयोग यह स्वीकार कर रहा है कि जिस निर्वाचक नामावली से लोकसभा का चुनाव हुआ, उसमें बड़ी संख्या में बांग्लादेशी या गैर कानूनी लोग शामिल थे? दूसरी बड़ी बात है कि यदि यह लोग बिहार में आकर रह रहे हैं तो बिहार में तो भाजपा-नीतीश की सरकार है, यह लोग कैसे रह रहे हैं? पुलिस प्रशासन क्या कर रहा है? नीतीश सरकार को जवाब देना चाहिए कि उनकी सरकार के रहते ऐसे लोगों को बिहार में आकर रहने, यहां की सुविधाओं का लाभ लेने, वोट देने का अधिकार कैसे मिल गया?

बीडीओ ने लगाया मतदाता पुनरीक्षण कार्य में प्रताड़ित करने का आरोप

कटिहार के बारसोई के प्रखंड विकास पदाधिकारी हरिओम शरण ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कटिहार के जिलाधिकारी मनेष कुमार मीणा को पांच पन्नों का पत्र और अपना इस्तीफा भेज दिया है। उन्होंने एसडीओ श्वेतम दीक्षित पर प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए कहा कि मैं कमर दर्द से जूझते हुए भी रोज 10 से 12 पंचायतों का दौरा करता हूं। डिजिटाइजेशन कैम्प का निरीक्षण करता हूं। बीएलओ, सुपरवाइजर से लेकर अपलोडिंग तक की जिम्मेदारी उठाता हूं। इसके बावजूद एसडीओ सर मुझे खुले आम कर्मचारियों के सामने अपमानित करते हैं। अपशब्द का प्रयोग करते हैं। कामचोर बता कर दबाव बनाते हैं। इतना ही डीएम को लिखे पत्र में बीडीओ हरिओम शरण ने लिखा कि प्रखंड और विधानसभा की इस कार्य की प्रगति पर निर्वाचन आयोग की ओर से गई वीसी में भी कोई नकारात्मक टिप्पणी नहीं की गई है। लेकिन, एसडीओ बार-बार मुझे डांट फटकार लगाते हैं। कहते हैं कि आप काम नहीं करते हैं। कोई रुचि नहीं ले रहे हैं। इसके लिए डीएम सर और आयोग को कार्रवाई के लिए लिख देंगे। नौकरी चला जाएगा, तब पता चलेगा। बीडीओ ने कहा कि विगत कई दिनों से एप पर साइट काफी धीमी गति से काम कर रहा है। आयोग ने भी इसे स्वीकार किया। साथ पिछले दिनों 24 घंटे इंटरनेट सेवा बाधित रहने से भी फर्क पड़ा। लेकिन, इन सब चीजों का दोष भी एसडीओ सर ने मेरे ऊपर मढ़ दिया। कहा जाता है कि आपके कारण मतदाता पुनरीक्षण कार्य काफी धीमी गति से हो रहा है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार : सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार : संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट : हसन जैदी, दूरभाष : 0522- 4078371 । Email : daily4pm@gmail.com । website: www.4pm.co.in । RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।